दैनिक पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 4 : अंकः 3 | ग्वालियर, 10 नवम्बर शुक्रवार 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

एक नजर

सीएम केसीआर, उनके बेटे केटीआर और भतीजे ने दाखिल किया नामांकन, 2 सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं चीफ

कामारेड्डी के मौजूदा विधायक गम्पा गोवर्धन और पार्टी के अन्य नेताओं की मौजूदगी में राव ने कामारेड्डी में रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय में अपना नामांकन पत्र जमा किया. इससे पहले, दिन में उन्होंने गजवेल सीट से भी पर्चा दाखिल किया. यहां से राव विधायक हैं.कामारेड्डी में दिलचस्प मुकाबला होने के आसार हैं, क्योंकि कांग्रेस ने राव को टक्कर देने के लिए अपनी प्रदेश इकाई के अध्यक्ष ए रेवंत रेड्डी को यहां से मैदान में उतारा है. वहीं भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के विधायक एटाला राजेंदर गजवेल में राव को टक्कर देंगे. कांग्रेस ने थुमकुंटा नरसा रेड्डी को इस सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है. एटाला राजेंदर बीआरएस में रह चुके हैं.इसके अलावा केसीआर के भतीजे, राज्य के वित्त और स्वास्थ्य मंत्री टी हरीश राव ने सिद्दीपेट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया. तेलंगाना की मधिरा सीट से कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने भी पर्चा दाखिल कर दिया है. सभी दलों के कई अन्य उम्मीदवारों की ओर से गुरुवार को नामांकन पर्चा दाखिल किया गया क्योंकि आज का दिन वो शुभ मानते हैं.

बिहार में आरक्षण बढ़ाने के नीतीश सरकार के फैसले को दी जा सकती है कोर्ट में चुनौती

बिहार विधानसभा ने राज्य में 65 फीसदी आरक्षण का प्रस्ताव पारित कर दिया है. यह सुप्रीम कोर्ट की तरफ से आरक्षण के लिए तय 50 फीसदी की सीमा को तोड़ता है. ऐसे में इसे कानूनी चुनौती दी जा सकती है. इस पर चर्चा करने से पहले आरक्षण को लेकर मौजूदा व्यवस्था को समझ लेते हैं.देश की आजादी के बाद संविधान निर्माताओं ने समाज के कमजोर तबके के लिए विशेष व्यवस्था को जरूरी माना. इसलिए, संविधान के अनुच्छेद 15 (4) और 16 (4) में लिखा गया कि सरकार सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े नागरिकों के विकास के लिए विशेष व्यवस्था कर सकती है. यही आरक्षण का आधार बना.सबसे पहले अनुसूचित जातियों और जनजातियों की पहचान की गई. फिर अनुसूचित जातियों को सरकारी नौकरियों में 15 फीसदी और अनुसूचित जनजातियों को 7.5 आरक्षण दिया गया. इसे उच्च शिक्षा में भी लागू किया गया.

एमआर बालाजी बनाम मैसूर मामला–इसके साथ ही दूसरी पिछड़ी जातियों को भी आरक्षण का लाभ देने की मांग जोर पकड़ने लगी. देश में जारी बहस के बीच पहली बार 1963 में एमआर बालाजी बनाम मैसूर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण के लिए 50 फीसदी की सीमा तय की. 1989 में तत्कालीन वीपी सिंह सरकार ने सरकारी नौकरी में 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण की व्यवस्था की.यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा. 1992 में इंदिरा साहनी बनाम यूनियन ऑफ इंडिया मामले में सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की बेंच ने ओबीसी आरक्षण को मंजूरी दी, लेकिन यह साफ किया कि कुल आरक्षण 50 फीसदी से ज्यादा नहीं हो सकता. कोर्ट ने यह भी कहा कि क्रीमी लेयर में आने वाले लोगों को आरक्षण से बाहर रखा जाए.

मराठा आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट–5 नवंबर 2021 को सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में मराठा वर्ग को मिले 13 फीसदी आरक्षण को रद्द किया था. यह आरक्षण ओबीसी जातियों को दिए गए 27 फीसदी आरक्षण से अलग था. इस विशेष आरक्षण के लागू होने से महाराष्ट्र में कुल आरक्षण 65 फीसदी हो गया. सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि महाराष्ट्र में ऐसी कोई असामान्य स्थिति नहीं थी कि 50 फीसदी आरक्षण की सीमा को तोड़ने को सही करार दिया जाए. कोर्ट ने यह भी कहा था कि राज्य में किसी जाति को अति पिछड़ा की लिस्ट में राष्ट्रपति की मंजूरी से ही डाला जा सकता है.अब बिहार की बात कर लेते हैं. बिहार ने जातीय गणना के आंकड़ों के आधार पर पिछड़ा वर्ग यानी ओबीसी, अति पिछड़ा वर्ग यह ईबीसी, एससी और एसटी का आरक्षण कोटा बड़ाया है. इसके चलते आरक्षित वर्ग का कुल आरक्षण 65 फीसदी हो गया है. इसमें यानी सामान्य वर्ग के गरीब तबके को मिले आरक्षण को जोड़ दिया जाए, तो कुल आरक्षण 75 फीसदी हो जाएगा.

सुप्रीम कोर्ट ने तय की थी आरक्षण सीमा–10 फीसदी ईडब्लयूएस आरक्षण को सुप्रीम कोर्ट सही ठहरा चुका है. पिछले साल दिए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि 50 फीसदी आरक्षण की सीमा पहले से आरक्षण पा रहे एससी, एसटी, ओबीसी के लिए तय की थी. नया 10 फीसदी आरक्षण सामान्य वर्ग को दिया गया है. ऐसे में इसे सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ नहीं कहा जा सकता है.50 फीसदी आरक्षण सीमा को सही ठहराते हुए दिए कई फैसलों में सुप्रीम कोर्ट ने कोटा विदिन कोटा यानी आरक्षण के भीतर आरक्षण को सही कहा है. इसका मतलब यह है कि अगर कोई जाति या वर्ग बहुत ज्यादा पिछड़ा है, तो आरक्षण सीमा को भीतर उसके लिए अलग से व्यवस्था की जाती है. यानी बिहार सरकार चाहती तो किसी जाति या वर्ग के लिए आरक्षण सीमा के भीतर अलग से व्यवस्था कर सकती थी, लेकिन उसने जातीय गणना के आंकड़े के आधार पर आरक्षण को बड़ाकर 65 फीसदी करने का फैसला लिया.

कोर्ट किस बात पर देगी ध्यान–इस आरक्षण की न्यायिक समीक्षा करते समय कोर्ट इस बात को देखेगा कि क्या बिहार में ऐसी कोई असमान्य स्थिति थी, जिसका समाधान आरक्षण सीमा से परे जाए बिना नहीं हो सकता था.

पीएम मोदी की डिग्री मामले में सीएम अरविंद केजरीवाल को गुजरात हाई कोर्ट से राहत नहीं

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पीएम मोदी की डिग्री मामले में गुजरात हाई कोर्ट से राहत नहीं मिली है. न्यायालय ने गुरुवार (9 नवंबर) को केजरीवाल की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शैक्षणिक डिग्री के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए केंद्रीय सूचना आयोग के गुजरात विश्वविद्यालय को दिए गए निर्देश को रद्द करने के आदेश पर समीक्षा करने की अपील की थी.इससे पहले न्यायमूर्ति बीरेन वैष्णव की पीठ ने समीक्षा याचिका को लेकर 30 सितंबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. गौरतलब है कि 31 मार्च को जस्टिस वैष्णव ने सीआईसी के उस ऑर्डर को रद्द कर दिया था, जिसमें गुजरात यूनिवर्सिटी को आरटीआई के तहत अरविंद केजरीवाल को पीएम मोदी की शैक्षिक डिग्रियों की जानकारी देने का निर्देश दिया गया था. इसके अलावा कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पर 25,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया था.

वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं जानकारी–केजरीवाल की

समीक्षा याचिका में उल्लेखित प्रमुख दलीलों में से एक यह भी थी कि पीएम मोदी की डिग्री ऑनलाइन उपलब्ध होने के गुजरात विश्वविद्यालय के दावे के विपरीत, विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है.

मामले को लंबा खींचना नहीं चाहते थे केजरीवाल–केजरीवाल की ओर से पेश होते हुए, वरिष्ठ अधिवक्ता पर्सी कविना ने न्यायमूर्ति वैष्णव के समक्ष दलील दी कि केजरीवाल हमेशा से ही कार्यवाही को जल्द से जल्द निपटाने की मांग करते थे और मुकदमे को लंबा खींचने में उनकी कभी कोई दिलचस्पी नहीं थी.उन्होंने आगे तर्क दिया कि गुजरात यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर उपलब्ध दस्तावेज (पीएम मोदी की) डिग्री नहीं है, बल्कि बीए परीक्षा के कुछ अंकों का ऑफिस रिकॉर्ड है और यह मामला उनकी एमए डिग्री को लेकर है, न कि बीए डिग्री का.उन्होंने अपनी दलील में इस बात पर जोर दिया कि डिग्री कोई मार्कशीट नहीं है, जबकि यूनिवर्सिटी का यह तर्क कि संबंधित डिग्री इंटरनेट पर पहले से ही उपलब्ध है, जोकि गलत है.बिना किसी कारण विवाद खड़ा करने की कोशिश-दूसरी ओर गुजरात विश्वविद्यालय की ओर से पेश होते हुए भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि केजरीवाल की समीक्षा याचिका सिर्फ मामले को गर्म रखने और बिना किसी कारण के विवाद को खड़ा करने की एक कोशिश थी.उन्होंने आगे कहा कि तत्काल समीक्षा याचिका दायर करने के लिए भी दिल्ली के मुख्यमंत्री पर जुर्माना लगाया जाना चाहिए था, क्योंकि मामले में उचित उपाय अपील दायर करना था

बीआरएस नेता केटी रमा राव गाड़ी की छत से गिरे, रोड शो के दौरान हुई घटना

तेलंगाना के आईटी मंत्री केटीआर राव गुरुवार (9 नवंबर) को चुनाव प्रचार के दौरान दुर्घटना का शिकार हो गए. दरअसल, आरएस नेता निजामाबाद जिले के आर्मूर में चुनाव प्रचार करते वक्त गाड़ी से गिर गए. घटना के वक्त सुरेश रेड्डी और जीवन रेड्डी भी उसी गाड़ी में मौजूद थे.घटना के वीडियो में देखा जा सकता है कि वैन के चालक की ओर से ब्रेक लगाने के बाद वाहन की रेलिंग टूट गई और वाहन पर खड़े सांसद रेड्डी और विधायक रामाराव अचानक गिर गए. पुलिस ने बताया कि रेलिंग टूटने के बाद, बीच में खड़े रामा राव झटके से आगे की ओर झुके और वाहन पर रखे स्पीकर पर गिर गए. उन्होंने बताया कि विधायक और सांसद गाड़ी से नीचे गिरे, लेकिन वैन के साथ चल रहे पुलिसकर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया और दोनों को सड़क पर गिरने से बचाया. पीटीआई के मुताबिक एक

पुलिस अधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा, घटना में कोई घायल नहीं हुआ. रेड्डी और रामा राव को तुरंत एक कार में ले जाया गया और फिर वे आगे बढ़ गए.÷ रामा राव की बहन और बीआरएस एमएलसी के कविता ने कहा, ''मैंने रामा राव से बात की, वो बिल्कुल ठीक हैं.

तेलंगाना में 30 नवंबर होगी वोटिंग–गौरतलब है कि इस महीने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ (दूसरे चरण), राजस्थान और मिजोरम के साथ-साथ तेलंगाना में भी विधानसभा चुनाव होने हैं. 119 सीट वाली तेलंगाना विधानसभा के लिए 30 नवंबर को वोटिंग होगी., जबकि वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी.

2018 में बीआरसी ने मारी थी बाजी–2018 में हुए विधानसभा चुनाव में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने 119 में से 88 सीटें जीतीं थीं. पार्टी को कुल 47.7 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस को 19 सीटें मिली थीं. इस बार तेलंगाना में बीजेपी, बीआरएस और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होने की उम्मीद है..

कौन हैं महुआ मोइत्रा के खिलाफ वोट करने वाली कांग्रेस की निलंबित सांसद परनीत कौर?

कैश फॉर क्वेरी केस में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ लोकसभा की एथिक्स कमेटी ने गुरुवार (9 नवंबर) को एक रिपोर्ट अपनाई, जिसमें मोइत्रा के खिलाफ कांग्रेस सांसद परनीत कौर ने भी वोट किया है. इस पर बीजेपी ने परनीत कौर की सराहना की है. बीजेपी सांसद अपराजिता सारंगी ने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा, (कांग्रेस सांसद) परनीत कौर ने सच्चाई का साथ दिया. मैं इसके लिए उन्हें धन्यवाद देती हूं. कोई भी सही सोच वाला व्यक्ति महुआ मोइत्रा का समर्थन नहीं करेगा. वहीं, बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि परनीत कौर ने देश की राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया. निशिकांत दुबे ने अपने हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा,

पांच राज्यों के चुनाव नतीजों के अगले दिन 4 दिसंबर से शुरू होगा संसद का शीतकालीन सत्र, होंगी 15 बैठकें

सत्र में मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित विधेयक पर चर्चा होने की संभावना है. इस विधेयक के मुताबिक, मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों का दर्जे को कैबिनेट सचिव के बराबर होने का प्रावधान है. फिलहाल उन्हें सुप्रीम कोर्ट के जज के बराबर का दर्जा मिलता है. इस विधेयक का विरोध करते हुए विपक्षी दल कह रहे हैं कि सरकार संस्थाओं पर कब्जा करना चाहती है. वहीं केंद्र सरकार इस आरोप को खारिज करती रही है. न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ लगे पैसे लेकर प्रश्न पूछने' के आरोपों के मामले में एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट इस सत्र के दौरान सदन में पेश की जाएगी..शीतकालीन सत्र वैसे ज्यादातर समय नवंबर के तीसरे सप्ताह में शुरू हो जाता है, लेकिन माना जा रहा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के कारण ऐसा नहीं हुआ.ये सत्र ऐसे समय होगा जब कि मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मिजोरम और तेलंगाना के विधानसभा चुनाव का परिणाम 3 दिसंबर को आ चुका होगा. बता दें कि संसद का विशेष सत्र 18 सितंबर को हुआ था. इस दौरान कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार को मणिपुर हिंसा को लेकर घेरते हुए सदन के भीतर पीएम मोदी से बयान देने की मांग की थी.

पाकिस्तान ने तोड़ा सीजफायर, देर रात बॉर्डर पर की अंधाधुंध फायरिंग, बीएसएफ का जवान शहीद

पाकिस्तान की ओर से जम्मू-कश्मीर में सीमा पर एक बार फिर बिना उकसावे के फायरिंग की गई जिसमें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का जवान शहीद हो गया. जम्मू-कश्मीर के सांभा जिले के रामगढ़ सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी रेंजरों की गोलीबारी की. ये घटना 8-9 नवंबर यानी बुधवार और गुरुवार की मध्यरात्रि को हुई.हालांकि पाकिस्तानी गोलीबारी का माकूल जवाब भारतीय सेना की ओर से बीएसएफ ने भी दिया है. बीएसएफ की ओर से जारी ने एक बयान में कहा गया है, ÷8-9 नवंबर की रात के दौरान, पाकिस्तान रेंजर्स ने रामगढ़ इलाके में बिना उकसावे गोलीबारी की, जिसका बीएसएफ जवानों ने माकूल जवाब दिया है.÷ केंद्रीय अर्ध सैनिक बल ने अपने बयान में कहा है, ÷बीएसएफ के एक जवान को गोली लगी और उसे तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में ले जाया गया.

देर रात हुई फायरिंग– पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, रामगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) डॉ. लखविंदर सिंह ने बताया है कि रात 1:00 बजे पाकिस्तानी गोलीबारी में घायल हुए बीएसएफ जवान को इलाज के लिए लाया गया था.

कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला को सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत,

कांग्रेस प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. 23 साल पुराने एक मामले में उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया गया था जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने 5 हफ्ते की रोक लगा दी है. ये वारंट वाराणसी की कोर्ट की ओर से जारी किया गया था. कोर्ट ने सुरजेवाला से कहा कि वह वारंट रद्द करवाने के लिए 4 हफ्ते के भीतर, कोर्ट में आवेदन दाखिल करें.साल 2000 में वाराणसी में यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान हुए उपद्रव से ये मामला जुड़ा हुआ है

मध्य प्रदेश में बीजेपी खेल रही मास्टरस्ट्रोक, सपा और बसपा के सहारे कांग्रेस को मात देने की तैयारी

मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव में इस बार दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल रहा है. यहां भले ही भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर हो, लेकिन कई सीटों पर बहुजन समाज पार्टी समाजवादी पार्टी आम आदमी पार्टी और बीजेपी व कांग्रेस के कुछ बागी उम्मीदवार बड़ा उलटफेर कर सकते हैं.दरअसल, विंध्य, बुंदेलखंड और ग्वालियर-चंबल क्षेत्रों में बीएसपी, सपा और अन्य दलों का अच्छा खासा वोट बैंक है. पर बीजेपी इस खतरे में भी अपने लिए नई संभावना तलाश रही है. द प्रिंट ने अपनी एक रिपोर्ट में पार्टी सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि बीजेपी इस संभावना को अपने फेवर में करने में लगी है.

25 सीटों पर छोटे दल पहुंचा सकते हैं नुकसान–इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पिछले महीने

के अंत में मध्य प्रदेश की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान अमित शाह ने राज्य के नेताओं से कहा कि वे सपा और बसपा उम्मीदवारों को कांग्रेस पार्टी के वोट काटने में मदद करें. बता दें कि 2018 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने नौ सीटें जीतीं और और छह पर वह मामूली अंतर से हार गई थी. इनमें से कई सीटों पर एसपी या बीएसपी ने कांग्रेस का खेल बिगाड़ा था.

इस बार उसे कम से कम 90 सीटों पर गैर-भाजपा दलों से चुनौती का सामना करना पड़ रहा है. इन 90 में से 25 सीटों पर एसपी, बीएसपी या आम आदमी पार्टी (आप) सत्ता विरोधी वोट को विभाजित कर सकती है.

विंध्य और ग्वालियर-चंबल में सपा और बसपा का वोट बैंक–विंध्य और ग्वालियर-चंबल के अलावा, मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड में भी ऐसी सीटें हैं जहां सपा और बसपा का कुछ प्रभाव है. हालांकि 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में इस पूरे क्षेत्र में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला था

कमलनाथ बचा पाएंगे अपना गढ़ छिंदवाड़ा या खिलेगा कमल

छिंदवाड़ा के नरसिंहपुर नाका पर बीती रात 8 बजे कांग्रेस नेता कमलनाथ की सभा को सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे, जहां लोग उनका इंतजार कर रहे थे. कमलनाथ पर पूरे प्रदेश के चुनाव प्रचार की कमान भी है जि?सके चलते वो लगातार दौरे भी कर रहे हैं. अहम बात यह है कि कमलनाथ एक बार फरि छिदवाड़ा सीट से चुनावी दंगल में उतरे हुए हैं. वह अपनी सीट पर भी पूरा फोकस कर रहे हैं. शाम को प्रदेश से वापस आने के बाद शहर में सभाएं करते हैं. यहां आकर वो 40 साल पुराने रिश्ते और विकास का हवाला देकर लोगों को खुश करते हैं. इस पर जनता खूब तालियां भी पीटती है. इस बीच देखा जाए तो कमलनाथ का छिंदवाड़ा से बड़ा पुराना रश्ता है वो इस जगह पर 1980 से राजनीति करते आ रहे हैं. इस जगह से वो 9 बार सांसद का चुनाव लड़े हैं और एक बार विधायक भी रह चुके हैं. कई बार केंद्रीय मंत्री रहे और एक बार मुख्यमंत्री रह चुके कमलनाथ के छिंदवाड़ा विकास को जनता भी मानती है. कई बार चुनावी सभाओं में भावुक भी हो जा रहे हैं.

एमपी में डेढ़ साल में गरि गई थी कमलनाथ सरकार–कमलनाथ के पिछली बार छिंदवाड़ा मॉडल की चर्चा थी.

मुख्यमंत्री बनने पर पूरे प्रदेश में कमलनाथ का दावा था कि प्रदेश को छिंदवाड़ा के तर्ज पर विकसित किया जायेगा मगर उनकी सरकार डेढ़ साल में ही गिर गयी थी. मगर उनके प्रभाव का असर पूरे जिले और महाकौशल इलाके में है. साल 2018 के चुनाव में महाकौशल क्षेत्र की कुल 38 सीटों में से 24 कांग्रेस और 13 बीजेपी ने जीती थी. मध्यप्रदेश के एकमात्र कांग्रेस के सांसद नकुलनाथ भी यहीं से हैं. कांग्रेस और कमलनाथ वही पुराना मैजिक दोहराना चाहते हैं. मगर बीजेपी का दावा है कि कमलनाथ क्लीन बोल्ड होंगे.

कमलनाथ के खिलाफ बीजेपी ने बंटी साहू को उतारा–उधर, बीजेपी ने कमलनाथ को घेरने के लिये कांग्रेस से जुड़े रहे युवा नेता बंटी साहू को खड़ा किया है. बंटी पिछला उपचुनाव कमलनाथ से 24 हजार वोटों के अंतर से हारे थे मगर इस बार उनका प्रचार करने केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल आये हैं और दावा कर रहे हैं कि इस बार छिंदवाड़ा की जनता बदलाव चाहती है. छिंदवाड़ा के गली चौराहों पर बदलाव की बात तो जनता भी करती है मगर वो ये भी मान रही है कि प्रदेश में कमलनाथ की सरकार बन रही ह

बरैया का अटेर में एक दिवसीय दौरा आज

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता फूल सिंह बरैया एक दिवसीय दौरे पर आज भिण्ड आ रहे है,जहाँ वह अटेर विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी हेमन्त सत्यदेव कटारे के समर्थन में जन सभाओं को संबोधित करेंगे,श्री बरैया कार द्वारा सबसे पहले सुबह 11 बजे लखनपुरा में तथा 1 बजे बालाजी मैरिज गार्डन परा में तथा 3 बजे फूप में जनसभाओं को संबोधित करेंगे,श्री बरैया के साथ अटेर विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी हेमन्त सत्यदेव कटारे भी मौजूद रहेंगे ।

शिक्षा और स्वास्थ्य की व्यवस्था विकास कार्य की पहली प्राथमिकता : चौ.राकेश चतुर्वेदी

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही सबसे पहला काम शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को दुरुस्त करना रहेगा। दर्जनभर ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क करने पहुंचे कांग्रेस प्रत्याशी राकेश सिंह चतुर्वेदी प्रचार के दौरान कही। जिले के अंतिम छोर के गांव द्वार-सनावई में प्रचार प्रसार को पहुंचे उम्मीदवार राकेश सिंह चतुर्वेदी ने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए बीजेपी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि भिण्ड ही नही पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य

सुविधाऐं पूरी तरह से चरमराई हुई हैं। जिला मुख्यालय पर अस्पताल की इमारत भले ही अच्छी बना दी गई हो लेकिन वहां गरीब जनता को इलाज देने वाले डॉक्टर नही है। शिक्षा के क्षेत्र में स्कूलों का निर्माण तो कर दिया लेकिन शिक्षकों की नियुक्ति भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दी। उन्होने कहा कि डबल इंजन की सरकार के विकास का जो मॉडल भाजपा जनता के बीच पेश कर रही है वह पूरी तरह से फर्जी और कोरी बयानबाजी है। रुर-सिकाहटा गांव में जनसंपर्क के दौरान उन्होने कहा कि लंबे समय से नयागांव क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं का आभाव बना हुआ है। यदि आप सभी मतदाताओं का आशीर्वाद मुझे मिलता है तो यहां जल्द ही एक स्वास्थ्य केन्द्र बनाते हुए चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। कांग्रेस प्रत्याशी राकेश सिंह ने जनसंपर्क के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के मुद्दों को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला, वहीं आम जनता के साथ अपने पुराने संबंधों के आधार पर सहयोग करने की अपील की।

मेहगांव में बसपा और लहार में भाजपा को लगा झटका

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । लहार कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. गोविंद सिंह के जनसंपर्क के दौरान लहार विधानसभा के ग्राम खुजा से पूर्व सरपंच रामकिशोर सिंह धाकड़, कमलेश राजपूत अशोक राजपूत गुलाब सिंह अशोक सिंह राकेश सिंह आदि लोग भाजपा छो? कांग्रेस में शामिल हुए शामिल करने में मुख्य भूमिका लहार में टी.आई.रहे दिलीप सिंह यादव एवं पूर्व मंडी अध्यक्ष रामकुमार सिंह गुर्जर की रही तो वहीं नरेश विश्वकर्मा सोशल मीडिया कार्यकर्ता, एक वर्ष से अधिक समय से भाजपा के लिए सोशल मीडिया पर प्रचार कर रहे थे जिनकी कांग्रेस में घर वापसी हुई अमित प्रताप सिंह के समक्ष नरेश विश्वकर्मा ने कांग्रेस में शामिल होने की घोषणा की। मेहगांव विधानसभा के ग्राम मेहदा में एक कई लोग बसपा छो? कांग्रेस में शामिल हुए । नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह के एक दिवसीय मेहगांव विधानसभा के दौरे के दौरान ग्राम मानग? में आम आदमी पार्टी के चंबल डिवीजन के सोशल मीडिया प्रभारी जितेंद्र कुशवाह,आम आदमी पार्टी छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए। जब डॉ सिंह ग्राम मेहदा पहुँचे तो संत कुमार जाटव, इंद्रजीत जाटव,राज बहादुर जाटव, सुरेंद्र कुमार जाटव,राजेश कुमार जाटव,रामदास जाटव,हरि सिंह जाटव नें अपने साथियों के साथ बसपा छोड़ कांग्रेस में शामिल होने का ऐलान किया।

कलेक्टर ने किया ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कर्मवीर शर्मा ने आज 09 नवंबर को ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया। जिले के 06 विधानसभा क्षेत्रों के लिए आवंटित ईवीएम पीजी कॉलेज खरगोन में बनाए गए स्ट्रांग रूम में रखी गई है और इनकी कमिश्निंग का कार्य जारी है। जो मशीनें विधानसभा चुनाव में उपयोग नहीं आनी वाली है वह मशीन वेयर हाउस में रखी हुई है। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जेएस बघेल भी मौजूद थे।

कर्नाटक के गृह मंत्री डा.जी. परमेश्वर को सीरवी समाज भवन उद्घाटन महोत्सव में किया आमंत्रित

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू। डा. जी. परमेश्वर गृह मंत्री कर्नाटक सरकार को तुमकुर समाज के वर्तमान अध्यक्ष मदनलाल राठौड़ , पूर्व अध्यक्ष हेमराज सेणचा , पूर्व अध्यक्ष चिमनाराम भायल, बाबूलाल सेपटा, एवं समाज के गणमान्य सदस्यों ने भवन उदघाटन हेतु निमंत्रण देकर आमंत्रित किया।

जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी एण्ड मैनेजमेंट बोरावां में हुआ अलंकरण समारोह एवं छात्र परिषद् का गठन

पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरूण यादव ने दी शुभकामनाए

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

खरगोन/ जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी एंड मैनेजमेंट, बोरावां के प्रबंध पाठ्यक्रम में दो दिवसीय अलंकरण समारोह एवं छात्र परिषद् के गठन का आयोजन दिनांक 07 से 08 सितम्बर 2023 तक किया गया। अलंकरण समारोह में 07 सितम्बर को विभिन्न पद जैसे हेडबॉय, हेडगर्ल, कक्षा प्रतिनिधि बॉय, कक्षा प्रतिनिधि गर्ल, पर पदस्थ होने के लिये नामांकित छात्रो को चुनावी प्रक्रिया संपन्न हुई । चुनावी प्रक्रिया में नामांकित छात्रो को संस्थान के छात्रो द्वारा वोट दिए गये। अंत में मतगणना द्वारा चयनित छात्रो को 08 सितम्बर 2023 को हेडबॉय हर्ष सेन, हेडगर्ल प्राची पाटीदार, कक्षा प्रतिनिधि बॉय (बी.बी.ए.) प्रणव राजावत एवं यश यादव, कक्षा प्रतिनिधि गर्ल (बी.बी.ए.) आकांक्षा सोनी एवं साक्षी सोलंकी, कक्षा प्रतिनिधि बॉय (एम.बी.ए.) नीरज सिहं मण्डलोई कक्षा प्रतिनिधि गर्ल (एम.बी.ए.) मनस्वी सोलंकी को कॉलेज के निदेशक डॉ. निशांत

दुबे द्वारा फीता एवं बेजेस प्रदान किये गये। इसके साथ ही संस्थान की भिन्न भिन्न गतिविधियों को सुचारु रुप से संचालन के लिये छात्र परिषद् कमेटी जैसे प्लेसमेंट कमेटी, कल्चरल कमेटी, डिसिप्लिन कमेटी, सोशल मीडिया कमेटी, स्टूडेंट वेलफेयर कमेटी, मार्केटिंग कमेटी, स्पोर्ट्स कमेटी, लिटरेसी और सोशल वेलफेयर कमेटी, एंटरप्रेन्योरशिप सेल में भी छात्रो को पदस्थ किया गया। इसी के साथ स्टुडेंट ऑफ द मंथ एवं एम्पलोयी ऑफ द मंथ जैसे कार्यक्रमो का शुभारम्भ किया गया । सभी छात्र परिषद के नवनिर्वाचित सदस्यो को शपथ दिलाई गई कि वह अपने निर्धारित कर्तव्यो का सत्यनिष्ठा के साथ पालन करेंगे। इस कार्यक्रम में ट्रस्ट द्वारा संचालित अन्य संस्था जे.आई.टी., जी.आर.वाई., एस.वाई.एम.डी.सी. के संस्था प्रमुख एवं शिक्षको डॉ. अतुल उपाध्याय, डॉ. सुनील सुगंधी, डॉ. सुजीत पिल्लई, प्रो.युनुस खान ने भी कॉलेज के छात्रो की अपील सुनकर अपना वोट दिया और छात्रो को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ अपने कर्तव्यो का निर्वाह करने के लिए मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर कॉलेज के शिक्षक साथी डॉ. शीतल छाब?ा, प्रो. उर्वशी बारचे, प्रो.हिर्षता अग्रवाल, प्रो. रश्मीतकौर भाटिया, प्रो. नेहा गुप्ता, प्रो. तेजल ठाकुर, प्रो. पंकज पांचाल, अरविन्द बडोलें, शिवम सोनी, प्रिया वर्मा एवं वैशाली यादव भी मौजुद थे। पूर्व केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री अरूण यादव ने अपने संदेश में सभी चयनित विद्यार्थियो को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनायें दी।

मीडिया प्रभारी

सीरवी समाज ट्रस्ट निगड़ी वडेर की नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन

मोहनलाल आगलेचा बने अध्यक्ष

दैनिक पुष्पाजंली टुडे/ नारायणलाल सेंणचा

पुणे । श्री आईमाता मंदिर ट्रस्ट निगड़ी वडेर की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वप्रथम आईमाताजी के समक्ष दीप प्रज्वलित व आरती के पश्चात आम सभा का आयोजन हुआ। जिसमें अध्यक्ष पद पर मोहनलाल आगलेचा को चुना गया। उसके बाद उपाध्यक्ष पद पर राजुराम बर्फा को व सचिव रामलाल लचेटा , सह-सचिव मांगीलाल चोयल, कोषाध्यक्ष गणेशराम सोमतरा, सह-कोषाध्यक्ष फुआराम परमार, प्रचार मंत्री मोहनलाल आगलेचा को चुना गया। अध्यक्ष मोहनलाल आगलेचा ने सभी सदस्यों को बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि में आशा करता हूं कि आप समाज कल्याण एवं हितेषी कार्य करेगें। शिक्षा संस्कार एवं संगठन के लिए आप जरूर कर्तव्य से अपनी जिम्मेदारी निभाएगें, जिनको भी पद मिला है आप उन पद की गरिमा बनाए रखेगें एवं सबका साथ सबका विकास के मंत्र से आप समाज का विकास जरूर करेगें। सचिव रामलाल लचेटा ने सभी नवीन कार्यकारिणी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। युवा मंच की ओर से नवीन कार्यकारिणी सदस्यों को बधाई दी । इस अवसर पर पुर्व कार्यकारिणी सदस्य एवं समाज के अनेक गणमान्य मौजूद रहे।

लहार से गुड्डू शर्मा ,केशव प्रसाद मौर्य नहीं भारतीय जनता पार्टी का हर कार्यकर्ता लड़ रहा हैं चुनाव

उमाकान्त शर्मा दैनिक पुष्पांजली टुडे भिण्ड

लहार।आज मिहोना में भारतीय जनता पार्टी लहार विधानसभा प्रत्याशी अम्बरीष शर्मा गुड्डू के समर्थन में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनता को संबोधित करते हुए कहा की आठवीं बार अब उन्हें दुनिया की कोई ताकत भी चुनाव नहीं जिता सकती है, लहार क्षेत्र की जनता अब विकास चाहती है जनता अब इस अत्याचार और भ्रष्टाचार को लहार क्षेत्र से उखाड़ कर फेंक देगी, साथी केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि

आपको ध्यान होगा यही कांग्रेस सरकार थी जब राम मंदिर के लिए भारतीय जनता पार्टी लड़ाई लड़ रही थी उन्होंने राम के साक्ष्य पर ही प्रश्न चिन्ह उठा दिया था आज आप सबको देखने में मिल रहा है कि अयोध्या में भाव राम मंदिर का निर्माण चल रहा है।मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपनी बहनों के प्रति सम्मान को दिखाते हुए हर बहन के खाते में 1250 सो रुपए डालकर बहन को किसी के सामने हाथ ना फैलाना पडे इसका ध्यान रखा आइए हम सब मिलकर संकल्प लें कि भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अम्बरीष शर्मा गुड्डू को अपना आशीर्वाद देकर लहार क्षेत्र में एक नया इतिहास नई जीत नए विकास की गाथा लिखें।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने लाड़ली बहना के लिए खोले सुख-समृद्धि के द्वार : राकेश शुक्ला

दैनिक पुष्पांजली टुडे

मेहंगाव । मेहगांव विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी राकेश शुक्ला ने अपने निर्धारित डोर टू डोर जनसंपर्क अभियान के तहत विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक ग्रामीण अंचलों में जनसंपर्क करते हुए 17 नवंबर को होने जा रहे चुनाव के लिए प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने एवं मेहगांव विधानसभा क्षेत्र के विकास और प्रकृति के लिए जनता से वोट मांगे।श्री शुक्ला ने अपने निर्धारित जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत मुसावली, भरौली कला, भरौली

खुर्द, बुढर्रा जनसंपर्क के दौरान नुक्कड़ सभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा के पास देश और प्रदेश की सरकार चलाने का विजन है। सभी वर्गो के विकास के लिए भाजपा सरकार अनेक जनकल्याणकारी योजना चलाई रही है।भाजपा सरकार ने ला?ली बहनों के लिए सुख समृधि के द्वार खोले है। श्री शुक्ला ने कहा कि जनता के बीच हमेशा रहकर विकास की बात करूंगा जो जिम्मेदारी मुझे मिलेगी मैं कर्तव्य निष्ठा पराकाष्ठा और ईमानदारी के साथ पूर्ण रूप से निर्वाह करूंगा।

विद्यापीठ गुरुकुल, केंगेरी में संत श्री आशारामजी आश्रम ट्रस्ट द्वारा दीपावली पर्व पर भंडारा संपन्न हुआ

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरु।सिलिकान सिटी- बेंगलुरु के बनशंकरी में स्थित संत श्री आशारामजी आश्रम ट्रस्ट, बेंगलुरु द्वारा विद्यापीठ गुरुकुल, केंगेरी- उपनगर, बेंगलुरु में दीपावली पर्व के निमित्त बच्चों के अनाथाश्रम में भंडारे के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी संत श्री आशारामजी बापू आश्रम ट्रस्ट, बेंगलुरु द्वारा दीपावली निमित्त विद्यापीठ गुरुकुल, केंगेरी, बेंगलुरु में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिनमें वहां के बच्चों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम किये गये, उन्हें ट्रस्ट के स्वयंसेवकों द्वारा योग व उच्च संस्कार कार्यक्रम के साथ जीवनोपयोगी कुंजियाँ भी बताई गई, कार्यक्रम के अंत में बच्चों में भोजन- प्रसादी तथा उनकी संस्था (अनाथाश्रम) में ट्रस्ट की तरड़ से मिठाई, राशनकिट, और जीवनोपयोगी सामग्री आदि का वितरण किया गया।

पिछले 50+ सालों से अनवरत आज भी उनकी यह संत आसारामजी आश्रम ट्रस्ट देश-समाज और संस्कृति के उत्थान का कार्य कर रही है। आश्रम ट्रस्ट द्वारा अवगत कराया गया की उनके पूज्य गुरुदेव से मिलें संस्कारों से प्रेरित होकर उनके साधक, समाजरूपी देवता की सेवा का एक भी मौका चूकते नहीं हैं। जहां लोग अपने घरों में दीपावली मनाते है, वहीं प्रतिवर्ष आशारामजी बापू के साधक जरूरतमंद क्षेत्रों में जाकर, उनकी दीपावली भी अच्छी बनें इसलिए आवश्यक सामग्री के वितरण कार्यक्रम करते हैं। भारत की राष्ट्रीय एकता-अखंडता और विश्व शांति के लिए संत श्री आशारामजी बापू ने राष्ट्र के कल्याणार्थ अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्हीं की प्रेरणा से हर साल दीपावली पर देशभर में जगह-जगह पर अनगिनत सेवाकार्यों की फुलझड़ियाँ लगाई जाती हैं। भगवन्नाम संकीर्तन यात्राओं के साथ वृद्धाश्रमों, अनाथालयों व अस्पतालों में निःशुल्क औषधि, फल व मिठाई वितरित की जाती है। हजारों जरूरतमंद के लिए विशाल भण्डारे का आयोजन किया जाता है। जिसमें मिठाई, कपड़े, खजूर, कम्बल, अनाज, चप्पल आदि सामग्री के साथ दक्षिणा इत्यादि दी जाती हैं।

एयर बैलून के माध्यम से दिया जा रहा मतदान का संदेश

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा के निर्देशन में सतना शहर में विधानसभा चुनाव में मतदान दिवस 17 नवंबर की जानकारी देने विशाल एयर बैलून नगर निगम सतना के कार्यालय से मुक्त आकाश में लगाया गया है। यह एयर बैलून समय-समय पर शहर के अन्य स्थानों पर हाईराइज बिल्डिंग के उपर मुक्त आकाश में लगाया जाएगा।

10 नवंबर से लेकर 19 नवंबर तक बंद रहेगी कृषि उपज मंडी की डाक नीलामी

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
अभिषेक कुशवाह

सिरोंज । कृषि उपज मंडी सीमति के सचिव ने एक प्रेस नोट जारी करते हुए बताया कि थोक अनाज एवं तिलहन व्यापार संघ द्वारा दिनांक 10.11.23 से लेकर 14.11.23 तक दीपावली अवकाष एवं विधानसभा निर्वाचन 2023 में समस्त कर्मचारियों की डूयूटी लगी होने के कारण नीलामी बंद रहेगी

मुख्य बाजार में जनसमर्थन मांगने निकले कांग्रेस प्रत्याषी गगनेन्द्र रघुवंषी फोटो व्यापारियों ने दिया जनसमर्थन हुआ जगह जगह जोरदार स्वागत

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
अभिषेक कुशवाह

सिरोंज । कांग्रेस प्रत्याषी गगनेन्द्र रघुवंषी गुरूवार को नगर के मुख्य बाजार में व्यापारी एवं आम नागरिको से जनसंपर्क कर कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए आर्षीवाद लिया । दीवाली के लिए सडको पर दुकान लगाने वाले से भी मिले और उन्होने व उनके भाईयों एवं पत्नि बच्चों ने भी दुकानदारो से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की । गुरूवार को कार्यकर्ताओं के के साथ निकले गगनेन्द्र रघुवंषी छत्री चौराहे से पैदल ही उन्होने जनसंपर्क किया और दुकान दुकान पहुँचकर व्यपारी भाइयों एवं नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र की जनता जर्नादन से आषीर्वाद मॉगा । जनसंपर्क के दौरान व्यापारियों ने उत्साह के साथ उनका पुष्पमाला पहनाकर एवं फूल बरसाकर उनका स्वागत किया । वही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता षोएब खांन ने कष्टम पथ पर कांग्रेस प्रत्याषी गगनेन्द्र रघुवंषी का हार फूल पहनाकर जमकर स्वागत किया प्रत्याषी श्री रघुवंषी ने षोएब खांन का धन्यवाद ज्ञापित किया । इस दौरान केसर खांन अषोक यादव षेलेन्द्र रघुवंषी अंसार खांन तनवीर अमहद इरषाद गौरी जुनेद खांन अतीक मंसूरी राकेष षर्मा सुयोग षर्मा अवधेष नगीना अवध षर्मा रिंकी रघुवंषी राजीव जैन सुषीला वंषकार बिलकिस जहां परवीन जहां मुस्कान मंसूरी पूरन साहू रवि उपाध्याय राकेष पालीवाल आदि लोग उपस्थित रहे ।

जनसेवा हमारा ध्येय, कुछ लोग बिजनेस बढाने राजनीति में आए- शशांक सक्सेना

कांग्रेस प्रत्याशी ने किया ग्रामीण क्षेत्रों का सघन जनसंपर्क

सीहोर। कांग्रेस प्रत्याशी शशांक सक्सेना ने गुरूवार को विधानसभा क्षेत्र के ग्राम लोधीपुरा, कुशलपुरा, उमरझिर, पटेरा, जुगराजपुरा, बाजारगांव, मुंगावली, देहरी, नाईहेडी, बरखेडा हसन, सुआखेडी का सघन जनसंपर्क किया। श्री सक्सेना कांग्रेसी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं व उनके समर्थकों के साथ गांव में घर घर पहुंचकर कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे हैं। इस दौरान क्षेत्रों में जगह-जगह ग्रामीणों ने उनका सिर पर साफा बांधकर पुष्प मालाएं पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। श्री सक्सेना ने कहा कि राजनीति में उनका ध्येय जनसेवा है। क्षेत्र के लोग परिवार के सदस्य है। मेरा परिवार राजनीति के माध्यम से लोगों की सेवा कर रहा है जबकि कुछ लोगों ने अपने नीजि लाभ के लिए यह क्षेत्र चुना है। कुछ जनप्रतिनिधि बिजनेस बढाने के उदेश्य से राजनीति कर रहे हैं। वोट के समय यह लोग गांवों में घूमने लगते हैं। बाकि पांच साल अपने बिजनेस में लगे रहते हैं।

श्री सक्सेना ने ग्रामीणों से कहा कि ग्रामीण भाजपा सरकार में किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, कर्ज में फंसे हुए हैं। बिजली कंपनी की मनमानी पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि मौन रहते हैं। किसान के खेत से बिजली कंपनी के कर्मचारी मोटर ले जाते हैं, कुर्की करते हैं। किसानों पर विद्युत चोरी के झूठे मुकदमें दर्ज किए जाते हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है कि क्योकि बिजनेसमेन लोग जनप्रतिनिधि

बनकर बैठ गए हैं। किसानों की समस्याओं से उन्हें क्या लेना देना वह तो अपना व्यापार बढाने में लगे हुए हैं। जमीनों पर कब्जे करने में लगे हुए हैं। किसानों की समस्या सुनने की उन्हें फुर्सत नहीं। कहा कि सक्सेना परिवार ने हमेशा किसान हित में कार्य किए हैं, उनके अधिकारों की लडाई लडी है। कांग्रेस सरकार बनने पर किसी अफसर की हिम्मत नहीं होगी कि वह किसान के खेत में कदम रखे। सक्सेना परिवार यश सर की राजनीति नहीं करता। कहा कि सीएम घोषणावीर है वह झूठी घोषणाएं करते हैं खरीफ की फसलें बेमौसम बारिश में बर्बाद हो गई लेकिन किसानों को मुआवजा नहीं मिला। पार्वती बंधान परियोजना में सैकडों परिवारों की जमीनें सरकार ने अधिग्रहित की लेकिन आज भी कई गरीब परिवार मुआवजा पाने भटक रहे हैं। रेल लाइन परियोजना में भी यही हाल हैं। क्षेत्र के भाजपा के जनप्रतिनिधि ग्रामीणों की समस्याओं पर चुप रहते हैं। क्योकि इन लोगों के बिजनेस में तो दिन रात तरक्की हो रही है। किसान, मजदूर, गरीब से यह लोग मतलब नहीं रखते। वोट के समय यह क्षेत्र में दिखाई दे रहे हैं इसके बाद दिखाई नहीं देंगे। कहा कि प्रदेश में कमलनाथ के नेतृत्व में सरकार बनने जा रही है किसानों हितैषी वचनपत्र तैयार किया गया है। किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनना ही हमारा ध्येय है।

विंध्य से मेरा कई पीढ़ियों से लगाव : प्रियंका

पुष्पांजली टुडे
विवेक तिवारी (भीम)

रीवा। कांग्रेस द्वारा आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा है कि उनका विंध्य क्षेत्र से कई पीढ़ियों से लगाव रहा है। विंध्य की वादियों को नेहरू जी पसंद किया करते थे चचाई फाल से उनका आत्मिक लगाव था। मेरे पिता स्वर्गीय राजीव गांधी भी शहीद होने के कुछ दिनों पहले ही रीवा आए हुए थे और उनसे जुड़ी कई स्मृतियां लोगों के पास मौजूद हैं। इसलिए मेरा रीवा से विशेष लगाव है। चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस जो कहती है वह करती है। पिछली बार भी अपने कांग्रेस को जन समर्थन दिया था और पहली कैबिनेट में ही किसानों के ऋण माफ किए गए थे। सभी वचन पूरे किए जाते लेकिन बीच में कुछ लोगों ने धोखा दिया और सरकार को गिराया। अब एक बार फिर वक्त आ गया है। यहां पर कांग्रेस ने जो वचन दिए हैं वह पूरे होने की गारंटी मेरी है। मैं यह भी कहती हूं कि यदि सरकार आने के बाद उन वचन को पूरा नहीं किया गया तो अगली बार आप सरकार को हटा देना। उन्होंने राजस्थान और छत्तीसगढ़ की सरकारों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां की महिलाएं बेहद खुश नजर आती है। लाडली बहन पर चर्चा करते हुए इन्होंने कहा कि कर्नाटक में जब सरकार बनी तो सबसे पहले कैबिनेट में महिलाओं के लिए काम किया गया और मामा ने उसकी नकल करके चुनाव के 2 महीने पहले अपने को महिलाओं का सबसे बड़ा शुभचिंतक बताया, अगर करना ही था तो सरकार बनने के साथ ही कर देना था। इतना इंतजार करने की जरूरत क्या थी। प्रियंका गांधी ने इस दौरान कहा कि आप सब जागरूक हैं समझते हैं इसलिए अब वक्त आ गया है उनके भ्रष्टाचार को समझिए। उनकी सरकार में बेरोजगार युवा किसान सब परेशान हैं। उन्होंने कहा कि 17 नवंबर को मतदान करने अवश्य जाएं और मेरी अपील है कि कांग्रेस की सरकार मध्य प्रदेश में बनाएं। जो वचन और जो गारंटी हम दे रहे हैं वह हम पूरी करेंगे। इस दौरान मौजूद भीड़ ने प्रियंका गांधी की बातों का समर्थन तालियो की गड़गड़ाहट के साथ किया।

सेमरिया में हर बूथ पर जीतेगी कांग्रेस: अभय मिश्राकांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी के रीवा दौरे के अवसर पर सेमरिया विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी अभय मिश्रा ने विशाल समुदाय के बीच कहा कि मध्य प्रदेश में जहां कांग्रेस की सरकार आ रही है वहीं दूसरी ओर आगामी 17 नवंबर को होने वाले चुनाव के दौरान हमारे विधानसभा क्षेत्र के हर बूथ में कांग्रेस बेहतर प्रदर्शन करेगी और 60 फ़ीसदी से ज्यादा बूथ में 70त तक मतदान कांग्रेस के पक्ष में जनता करने जा रही है। श्री मिश्रा ने कहा कि भय , आतंक भ्रष्टाचार से जूझ रही सेमरिया क्षेत्र की जनता ने परिवर्तन का जो ऐतिहासिक संकल्प लिया है उसका परिणाम 3 दिसंबर को देखने को मिलेगा। भ्रष्टाचार की तो यहां पर हद ही हो गई है, काम ?1 का नहीं हुआ केवल भूमि पूजन करते हैं भाजपा के लोग और फिर बाद में बताते हैं कि हमने 1600 करोड़ का काम करा दिया है। जनता अभी से जवाब देने लगी है जब काम नहीं तो वोट नहीं, तो नाराज होकर विधायक जी सेमरिया विधानसभा क्षेत्र में लोगों से ऊलजलूल बात करते हैं। इन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि आज सेमरिया विधानसभा क्षेत्र से काफी संख्या में लोग प्रियंका जी की बातें सुनने के लिए आए हैं, साथ ही उन्हें यह संकल्प भी लेकर जाना होगा कि इस बार पूरे जिले में 50 फ़ीसदी कमीशन के चक्कर में भ्रष्टाचार करने वाली भाजपा सरकार को जड़ मूल समेत खत्म करना है। कार्यक्रम में कांग्रेस के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी, पूर्व विधायक, वरिष्ठ कार्यकर्ता आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर शिविर का आयोजन,विधिक जागरूकता शिविर में लोगों को बताए कानूनी अधिकार

पुष्पांजली टुडे
विवेक तिवारी (भीम)

रीवा। शहर में स्थित पेंटियम प्वाइंट ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन के पेंटियम प्वाइंट टेक्निकल कॉलेज (कॉलेज ऑ? लॉ) के द्वारा राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।महाविद्यालय द्वारा आज का यह कार्यक्रम ग्राम पंचायत साव में आयोजित किया गया, राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस भारत में हर साल 9 नवंबर को मनाया जाता है। यह विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 को अपनाने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। यह अधिनियम आधिकारिक तौर पर 9 नवंबर 1995 को लागू हुआ। तब से, नागरिकों में विधिक जागरूकता के उद्देश्य से पूरे भारतीय राज्यों में कानूनी सेवा दिवस मनाया जाता है।राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस की स्थापना के बाद, राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) की स्थापना की गयी। आज के इस शिविर में महाविद्यालय की लीगल ऐड क्लीनिक के माध्यम से ग्रामवासियों को मोटर व्हीकल अधिनियम, भरण पोषण अधिनियम, घरेलू हिंसा अधिनियम, लोगों को निशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा अधिनियम की विस्तृत रूप से जानकारी दी। साथ ही उपस्थित लोगों को अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए प्रेरित किया। शिविर के माध्यम से आज के समय में महिलाओं को कानूनी साक्षरता का ज्ञान होना उनके व उनके परिवार के विकास के लिए आवश्यक है। विधिक जागरूकता से ही महिलाओं का सशक्तिकरण संभव है। इसी उद्देश्य से महिलाओं के लिए यह विधिक जागरूकता

शिविर का आयोजन हुआ है। शिविर के माध्यम से 50 से ज्यादा परिवारों को विधिक सहायता उपलब्ध कराई गई।आज के इस शिविर में मुख्य रूप से पेंटियम प्वाइंट टेक्निकल कॉलेज (कॉलेज आफ लॉ) के प्राचार्य डॉ प्रकाश नारायण शर्मा, प्रो. विधि सम्भरकर, प्रो. रत्नेश मोहन मिश्रा, प्रो. दीपक कुमार शुक्ला तथा विधि विभाग के छात्र तथा ग्रामीण जन मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट परिसर में दीपोत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रेक्षकों सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने दीप जलाकर दिया मतदान का संदेश

पुष्पांजली टुडे

रीवा। विधानसभा निर्वाचन के लिए रीवा एवं मऊगंज जिले के सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों में 17 नवंबर को प्रातः 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान कराया जायेगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में जिले में शत प्रतिशत मतदान के लिए मतदाताओं को जागरूक करने हेतु जागरूकता अभियान के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाकर मतदाताओं मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्ट्रेट परिसर में दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में हजारों-हजार की संख्या में जगमग दीपों से मतदान का संदेश दिया गया। इस अवसर पर मतदान करने की शपथ दिलायी गयी। प्रेक्षक श्री केएन रमेश तथा श्री सुहास कृष्ण दिवासे सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने दीप जलाकर मतदान करने का संदेश दिया। आसमान में पैराशूट दीप छोड़कर मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। उल्लेखनीय है कि कलेक्ट्रेट परिसर में बनायी गयी विशाल रंगोली के साथ जगमग दीपों के माध्यम स्वीप अभियान के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर स्वीप के नोडल अधिकारी एवं जिला पंचायत सीईओ डॉ. सौरभ सोनवणे, आयुक्त नगर निगम श्रीमती संस्कृति जैन, सहायक कलेक्टर सोनाली देव सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

अनियंत्रित होकर मोटरसाइकिल पुलिया के नीचे गिरी एक युवक की मृत्यु एक घायल

पुष्पांजली टुडे

रीवा। गुड़ थाना अंतर्गत भैरव बाबा मंदिर के समीप पुलिया के पास अनियंत्रित होकर मोटरसाइकिल सवार दो युवक पुल से नीचे गिरे जिसमें एक युवक की मौके पर ही मृत्यु हो गई और घायल युवक को

गुड़ पुलिस 108 एंबुलेंस के माध्यम से संजय गांधी अस्पताल रीवा भिजवाया गया जहां उसका इलाज जारी है मृतक युवक की पहचान सरदार यादव उर्फ छोटू यादव उम्र लगभग 18 वर्ष निवासी गुड़ वार्ड क्रमांक 10 का बताया जा रहा है और घायल युवक की पहचान प्राजंल मिश्रा उर्फ सिद्ध मिश्रा निवासी बगदरी के रूप में पहचान की गई है यह घटना रात करीब 10ः00 बजे की बताई जा रही है इसमें आगे की क्या सच्चाई है यह पुलिस के जांच ही पता चल पाएगा।

कलेक्टर ने मतदाताओं से की मतदान की अपील

पुष्पांजली टुडे

रीवा। विधानसभा निर्वाचन के लिए रीवा तथा मऊगंज जिले के सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों में 17 नवम्बर को प्रातः 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान कराया जाएगा। इसके लिए 2014 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। इनमें 18 लाख 35 हजार से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सकेंगे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने सभी मतदाताओं से निर्भय होकर मतदान की अपील की है। उन्होंने कहा है कि मतदान शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए क? प्रबंध किए जा रहे हैं। मतदाता स्वयं मतदान करने के साथ अन्य मतदाताओं को भी मताधिकार के उपयोग के लिए प्रेरित करें। सभी मतदाता निर्भय होकर तथा दबाव मुक्त होकर निष्पक्षता से मतदान करें। कलेक्टर ने सभी मतदाताओं से अपने मताधिकार के उपयोग की अपील की है।

जप्त की गई 2.99 लाख की राशि की गई रिलीज

पुष्पांजली टुडे

रीवा। विधानसभा चुनाव के दौरान वाहनों की लगातार जाँच की जा रही है। विधानसभा क्षेत्र त्योंथर में फ्लाइंग स्क्वाड द्वारा श्री वेदनाथ कुशवाहा निवासी ग्राम चदई खटिया से 152169 रुपए की राशि जप्त की गई थी। इसी तरह फ्लाइंग स्क्वाड त्योंथर द्वारा श्री मुजम्मिल अंसारी निवासी चाकघाट से 146980 रुपए की नगद राशि तथा दो हजार रुपए के सौंदर्य प्रसाधन सामग्री जप्त की गई थी। जप्त करने के बाद इन्हें नियमानुसार सील बंद कर कोषालय में जमा कराया गया। इन दोनों प्रकरण में सुनवाई के बाद जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ सौरभ सोनवणे की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति द्वारा जप्त की गई राशि रिलीज कर दी गई है। समिति द्वारा संबंधित व्यक्तियों द्वारा सुनवाई के दौरान राशि और सामग्री के संबंध में आवश्यक प्रमाण एवं अभिलेख प्रस्तुत करने पर राशि रिलीज की गई है। रिलीज की गई कुल दो लाख 99 हजार 149 रुपए की राशि एवं सामग्री संबंधित व्यक्तियों को प्रदान कर दी गई है।

व्यापारी महासंघ द्वारा भाजपा के समर्थन में रीवा के विंध्य के विकास पुरुष कैबिनेट मंत्री राजेंद्र शुक्ल के समर्थन में प्रचार किया और भाजपा के पक्ष में मतदान करने की व्यापारी महासंघ ने अपील की

पुष्पांजली टुडे
विवेक तिवारी (भीम)

रीवा। व्यापारी महासंघ द्वारा भाजपा के समर्थन में रीवा के विंध्य के विकास पुरुष कैबिनेट मंत्री भैया राजेंद्र शुक्ल के समर्थन प्रचार किया और भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की व्यापारी महासंघ की अपील पर सैकड़ो व्यापारियों द्वारा साई मंदिर पैदल निकल कर शिल्पी प्लाजा, अपना बाजार, से होकर, प्रकाश चौराहा, घोड़ा चौराहे, भाजपा के पक्ष में समर्थन मांगा, और बीजेपी जिंदाबाद राजेंद्र शुक्ला जिंदाबाद के नारे लगाए और भाजपा के समर्थन में मतदान करने की अपील की रीवा शहर के यह प्रमुख व्यापारी शामिल हुए , हुकूमत राय होटवानी, वीरेंद्र गुप्ता जी, प्रबोध नरेश काली, नरेंद्र गुप्ता, घनश्याम ताम्रकार, जयंत खन्ना, अनिल

व्यास जी ,कमलेश सचदेव जी बुधवानी दिव्यांशु शुक्ला, उमाशंकर पटेल, विवेक दुबे, पप्पू मंजानी, मोहित टंडन, अशोक राज ऋषि, धनंजय सोनी, संदीप गुप्ता, सुधांशु पाठक, प्रकाश सोनी चिंटू रमेश सचदेवा, नरु भाई मनोहर मोटवानी, अजय माधवानी, शेखर सचदेव बंसीलाल साहू, रमेश सचदेवा, विभु सूरी, सन्नी अग्रवाल अनिल आहूजा, अश्वनी शर्मा, वैभव दुबे, अमित ठारवानी, राहुल टंडन संजय चावला, कुलवंत सिंह, चंदन कुशवाहा, अंबर निगम दीपक मदान, दीपक वाधवानी, मोहित गुप्ता, मनोज गुप्ता, रोशन कोटवानी ओम गुप्ता, संजय अग्रवाल, सीतेश त्रिपाठी, नितेश जैन, छोटे नामदेव, महेश हिरवानी, आदि सैकड़ो व्यापारी लोग उपस्थित रहे।

रीवा में कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने किया भाजपा पर पलटवार

रीवा। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी गुरुवार को मध्यप्रदेश के दौरे पर हैं। सतना के चित्रकूट में चुनावी सभा के बाद रीवा में कहा, मेरी सभा में इंदिरा जी के नारे से मोदी जी नाराज हो जाते हैं। मेरे भाषण में उन्होंने टिप्पणी भी की। आप ही बताइए क्यों आप इंदिरा जी के लिए नारा लगाते हैं। क्योंकि उनका आपसे एक रिश्ता था। उन्हें मामी जी-चाची जी कहने की जरूरत नहीं थी। प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार रिश्वतखोरी से चल रही है।

चाहे कैसी भी परिस्थिति हो यादव समाज हमेशा भाजपा के साथ - उमाकांत शर्मा

उमाकांत शर्मा ने किया यादव बाहुल्य क्षेत्र के गाँवों का दौरा- बुजुर्गों से लिया आशीर्वाद

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
अभिषेक कुशवाह

सिरोंज। यादव समाज से हमारा राजनैतिक ही नही बल्कि पीड़ियों से संबंध रहा है। विपरीत परिस्थितियों में भी हमेशा यादव समाज भारतीय जनता पार्टी के साथ खड़ी रही है। स्व. लक्ष्मीकांत जी और हमारे परिवार का सहयोग किया है। बीते चुनावों में भी जब यादव समाज के लोग यहाँ भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ने आए तब भी हमारी यह समाज तस से मस नही हुई और पार्टी के साथ खड़ी रही। यह बात भाजपा प्रत्याशी उमाकान्त शर्मा ने यादव बाहुल्य क्षेत्र में अपने दौरे के दौरान कही। ओराखेड़ी,नेकान चुनियाखोह सहित अनेक गाँवों में वोट अपील करने पहुँचे भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा ने कहा कि भाजपा ने हमेशा अपनी इस यादव समाज को इस वार्ड से जिला पंचायत,जनपद पंचायत सहित सहित संगठन में प्रतिनिधित्व देकर सम्मान देने का काम किया है। इस क्षेत्र की नेकान पंचायत ने तो रिकार्ड बना लिया है इस पंचायत से पूर्व में हमारे बहुत ही बड़े नेता स्व.प्राण सिंह यादव और जनसंघ से समर्पित नेता कोमल सिंह जी की बहू, भगवान सिंह की पत्नी रामकंवर भाभी जिला पंचायत अध्यक्ष रही। एक सामान्य से कार्यकर्ता हमीर सिंह यादव जनपद के अध्यक्ष रहे और अब उनकी पत्नी पुष्पा यादव जनपद के प्रतिनिधित्व कर रही हैं। जीवट नेता अनंत सिंह दादा मार्केटिंग के उपाध्यक्ष रहे है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र की प्रगति के लिए हमने

भौपाल रोड से इमलानी तक सड़क मार्ग को जोड़ने का काम किया अब इन क्षेत्र के सभी गाँवों में हनोता समूह नलजल परियोजना का लाभ मिलने जा रहा है जिससे अब घर घर मे ही टोंटी वाले नल से पीने का शुद्ध पानी मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज समाज को भाजपा से तोड़ने का एक बार फिर से प्रयास किया जा रहा है। भौपाल मार्ग के फोर लेन होने से इस रोड के गाँवो में जागृति आई है रोजगार के अवसर भी सृजित होने लगे है। अगर यह विकास की रफ्तार ऐसे ही चलती रही तो आने वाले समय में यह एरिया ओर यहाँ के किसान ओर समृद्ध होंगे । आज विधानसभा क्षेत्र का भला न चाहने वाले गाँव मे जाकर झूठा प्रचार और वातावरण को गंदा करने का प्रयास कर रहें है। उन्होंने जनता जनार्दन को आगाह करते हुए कहा कि पहले एक बार लक्ष्मीकांत जी के चुनाव हराने से हम विकास में बहुत पिछड़ गए थे अब भी अगर ऐसा हो गया तो मैंने मुख्यमंत्री शिवराजसिंह के सहयोग से जो अरबों रुपये की योजनाएं स्वीकृत करवाई हैं वह बंद हो जाएंगी और हमारा क्षेत्र फिर से पिछड़ जाएगा।दौरे में गाँव गाँव मे उत्साह के साथ भाजपा प्रयाशी का ग्रामीणजनों ने साफा बांधकर स्वागत किया। इस अवसर पर उमाकांत शर्मा ने बुजुर्गों के पैर पड़कर आशीर्वाद भी लिया। इस दौरान उनके साथ प्रमुख रूप से जनपद अध्यक्ष पुष्पा यादव,वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह दाँगी, चरण सिंह राजपूत, संतोष चौरे, हमीर सिंह यादव, भगवान सिंह यादव अशोक रावल सहित ग्रामीण क्षेत्र के उपस्थित रहे

संपादकीय

जहरीली होती प्राणवायु

यह जानते हुए भी कि हर साल सर्दी की दस्तक व वातावरण में नमी के चलते दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गैस चौंबर में तब्दील हो जाता है, शासन–प्रशासन हाथ पर हाथ धरे ही बैठा रहता है। यह मान लिया जाता है कि बस एक महीने की दिक्कत है, फिर शोर थम जाएगा। सोमवार को दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक कई जगहों पर 450 से ऊपर दर्ज किया गया, जो खासा घातक श्रेणी का होता है। जिसके चलते ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान–4 यानी ग्रैप की चौथी स्टेज लागू कर दी गई है। जिसके तहत स्कूल बंद करने, गैर जरूरी निर्माण पर रोक, भारी वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित तथा निजी वाहनों के लिये ऑड–ईवन सिस्टम लागू करने की घोषणा की गई। कहा जा रहा है कि दिल्ली की हवा इतनी जहरीली हो गई है कि सांस लेना 25–30 सिगरेट के सेवन के बराबर है। इस प्रदूषण का घातक असर बच्चों व गर्भवती महिलाओं पर अधिक होगा। छोटे बच्चों के दिमाग के विकास पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इतना ही नहीं, लोगों के श्वसन तंत्र को नुकसान पहुंचने के साथ ही हार्ट अटैक व ब्रेन स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ जाता है। सोमवार को स्विस ग्रुप आईक्यू एअर द्वारा जारी वायु गुणवत्ता के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली दुनिया में सबसे घातक स्तर तक वायु प्रदूषित राजधानी बन गई। दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित दस शहरों में से सात भारत के हैं। यह हमारे नीति–नियंताओं के लिये शर्म की बात होनी चाहिए कि वे अपने नागरिकों को स्वच्छ हवा भी उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं। कमोबेश यह स्थिति सिर्फ दिल्ली की नहीं है, देश के अन्य राज्यों में स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। दुनिया के दस प्रदूषित शहरों में कोलकाता पांचवें व मुंबई छठे स्थान पर है। ये स्थिति हमारे लचर प्रशासन व गैर जिम्मेदार प्रतिनिधियों की हकीकत बताती है। साथ ही यह भी कि एक नागरिक के रूप में हम प्रदूषण कम करने के दायित्वों के प्रति उदासीन बने हुए हैं। वहीं परेशान करने वाली बात यह है कि देशव्यापी प्रदूषण के एक घटक पराली जलाने की घटनाएं बदस्तूर जारी हैं।

राष्ट्रवाद और अंतर्राष्ट्रीयवाद

राष्ट्रवाद

लोगो के किसी समूह आस्था का नाम है जिनके तहत वे खुद को साझा इतिहास परम्परा, भाषा, जातीयता या जातिवाद और संस्कृति के आधार पर एकजुट मानते हैं दादाभाई नौरोजी÷ को राष्ट्रवाद का जनक कहा जाता है सभी उन्हें प्यार से भारत का महान युगपुरुष भी कहते थे। राष्ट्रवाद के तीन प्रकार हैं जातीय राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, नागरिकराष्ट्रवाद

राष्ट्रवाद के तीन रूप है

1. नस्लीय राष्ट्रवाद
2. जातीय राष्ट्रवाद
3. सास्कृतिक राष्ट्रवाद

राष्ट्रवाद की विशेषताएँ

1. सामान्य हित- लोगो के बीच समान सामान्य हित की बात करता है।
2. परिभाषित क्षेत्र-देश को परिभाषित
3. एक राष्ट- एक आम सरकार का एकविचार हमेशा राष्ट्र के हितमें होता है
4. समूह की भावनाएँ- लोगो में आपस मे जोड़कर रखती है

.अंतर्राष्ट्रीयवाद

अंतर्राष्ट्रीयवाद, को आमतौर पर दुनिया मे विविध संस्कृतियों के लिए प्रशंसा और विश्व शांति की इच्छा के रूप में व्यक्त किया जाता है। यह शांति, आत्मनिर्णय का आर्थिक स्थिरता और मानवतावाद को बढावा देता है। अंतरराष्ट्रीयवाद एक ऐसा शब्द है जो किसी भी अंतर्राष्ट्रीय संगठन के निर्माण के लिए प्रेरणा बन सकता है। उदाहरण के रूप में विश्व न्यायलय, राष्ट संघ और संयुक्त राष्ट है।

अंतर्राष्ट्रीयवाद के तीन रूप है

1. प्रधानता वाली अंतर्राष्ट्रीयवाद
2. उदार अंतर्राष्ट्रीयवाद
3. क्रांतिकारी अंतर्राष्ट्रीयवाद

अंतर्राष्ट्रीयवाद की विशेषताएँ

1. अंतरर्राष्ट्रीवाद शांति व सुरक्षा का प्रचार करताहै।
2. अंतर्राष्ट्रीयवाद मानव जाती सस्कती करण द है। की भावना

को बढ़ावा दे

निष्कर्ष-राष्ट्रवाद और अंतर्राष्ट्रीयवाद दोनो ही एक महत्वपूर्ण हिस्सा है समाज मे जिसके ज अंतरगत समाज का हर वर्ग एक साथ आता और कुछ भी हासिल कर सकता है।

नाम- मोनिका शर्मा

विषय- बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान

लोकतन्त्र और लोक कल्याण

आदित्य नारायण

आज भारत के जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं उनमें पिछले चुनावों के बाद सत्ता पर काबिज सरकारों और उनकी राजनैतिक पार्टियों का दायित्व बनता है कि वे जनता के सामने अपना रिपोर्ट कार्ड पेश करने के बाद अगले पांच सालों के लिए उसकी इजाजत मांगें।

लोकतन्त्र और लोक कल्याण दोनों एक–दूसरे के सम्पूरक होते हैं। ऐसी स्थापना हमारे संविधान निर्माताओं ने की और इसके परिपालन के लिए राजनैतिक दलों को अधिकृत किया। चुनाव लोकतान्त्रिक प्रणाली के आधार होते हैं अतः राजनैतिक दलों ने चुनावों के अवसर पर लोक कल्याणकारी नीतियां जनता के सामने रखने का प्रचलन शुरू किया जिसे घोषणापत्र कहा गया। हर चुनाव की अलग परिस्थितियां होती हैं अतः घोषणापत्र भी हर बार नये प्रस्तुत किये जाते हैं। भारत जब आजाद हुआ था तो इसकी 90 प्रतिशत से अधिक आबादी कृषि पर निर्भर करती थी। इसमें भी शहरी आबादी 20 प्रतिशत के आसपास थी। मगर आज 75 साल बाद तस्वीर बदल चुकी है। भारत के शहरीकरण में तेजी से वृद्धि हुई है और कृषि क्षेत्र पर लोगों की निर्भरता में भी कमी आयी है। इसका मतलब यह है कि हमने तरक्की की है। अब 2023 चल रहा है और भारत की आबादी बढ़ कर 140 करोड़ हो चुकी है जबकि आजादी के समय 1947 में यह 33 करोड़ के करीब थी। बढ़ती आबादी की बढ़ती मूलभूत आवश्यकताओं की आपूर्ति करना किसी भी लोकतन्त्र में चुनी गई सरकारों का मूल दायित्व होता है। ये चुनी हुई सरकारें जनता की मालिक नहीं होती बल्कि उसकी नौकर होती हैं क्योंकि जनता इन्हें केवल पांच साल के लिए ही देश की व्यवस्था चलाने की जिम्मेदारी सौंपती है। इस दौरान चुनी हुई सरकारें अपनी लोक कल्याणकारी नीतियों को चला कर जनता के प्रति मिले दायित्व को पूरा करने का प्रयास करती है। अतः आज भारत के जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं उनमें पिछले चुनावों के बाद सत्ता पर काबिज सरकारों और उनकी राजनैतिक पार्टियों का दायित्व बनता है कि वे जनता के सामने अपना रिपोर्ट कार्ड पेश करने के बाद अगले पांच सालों के लिए उसकी इजाजत मांगें। यह जनता पर निर्भर करता है कि वह सरकार के काम से सन्तुष्ट होती है या नहीं क्योंकि उसके सामने विकल्पों की कमी नहीं होती। लोकतन्त्र की बहुराजनैतिक प्रणाली में कभी भी विकल्पों की कमी नहीं रहती है, यह भी इस व्यवस्था की खूबसूरती होती है। इसके चलते ही हमने केन्द्र से लेकर विभिन्न राज्यों में विभिन्न राजनैतिक दलों की सरकारें देखी हैं। प्रत्येक राजनैतिक दल के अपने कुछ मूलभूत सिद्धान्त होते हैं जिनके तहत वे सत्ता में आने पर लोक कल्याणकारी कदम उठाने का दावा करते हैं। इसे हम इस तरह देख सकते हैं कि 2004 से 2014 तक केन्द्र में चली डा. मनमोहन सिंह की कांग्रेसनीत सरकार ने 2013 में कानून बनाया कि भारत में प्रत्येक व्यक्ति को दोनों वक्त भोजन करने का अधिकार दिया जायेगा। इसके लिए भोजन का अधिकार कानून बना परन्तु 2014 में केन्द्र में सरकार बदल गई। भोजन का अधिकार बेशक कानून बन गया मगर इसका उपयोग 2020 में देश में कोरोना संक्रमण काल के समय मोदी सरकार ने किया जब लगभग 80 करोड़ लोगों को प्रतिमाह पांच किलो मुफ्त राशन देने की व्यवस्था की गई। अब इस योजना को प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने पांच साल और आगे जारी रखने का फैसला किया है। इसका मतलब यह हुआ कि लोक कल्याणकारी नीतियां बनाना हर सरकार का प्राथमिक दायित्व होता है। सरकार चूंकि एक सतत् प्रक्रिया होती है अतः हर सरकार के लिए लोक कल्याण के काम करना जरूरी शर्त होती है परन्तु इन नीतियों के चलते भी हर राजनैतिक दल की सरकार का विकास ढांचा अलग हो सकता है। विकास के लिए आर्थिक नीतियों की जरूरत होती है और हर सरकार की आर्थिक नीतियां अलग ही होती हैं। लोक कल्याण का रास्ता इन्हीं नीतियों के बीच से निकलता है। बाजार मूलक अर्थव्यवस्था में यह कार्य बहुत दुष्कर होता है क्योंकि यह व्यवस्था हर नागरिक को एक उपभोक्ता के रूप में देखती है। सवाल उठना लाजिमी है कि 80 करोड़ लोग पहले उपभोक्ता हैं या नागरिक। भारतीय संविधान के अनुसार ये उतने ही अधिकार सम्पन्न नागरिक हैं जितने कि अन्य सम्पन्न वर्गों के नागरिक क्योंकि इनके पास भी एक वोट का बराबर का संवैधानिक अधिकार है। मुफ्त भोजन पाना इनका कानूनी अधिकार है। इसी प्रकार अगर शिक्षा को लें तो पहली से आठवीं तक की शिक्षा पाना भी भारत में जन्मे हर बच्चे का मूल अधिकार है। लोकतन्त्र में नागरिकों को जो अधिकार एक बार दे दिया जाता है उसे वापस लेना कभी संभव नहीं होता क्योंकि वह नव विकसित समाज के ढांचे का अंग बन जाता है। इसी प्रकार स्वास्थ्य का भी मामला है। केन्द्र ने आयुष्मान स्कीम चलाई तो विभिन्न राज्य सरकारों ने भी अपनी–अपनी स्वास्थ्य बीमा स्कीमें नागरिकों के लिए शुरू की। लोकतन्त्र में इस प्रकार की लोक कल्याणकारी नीतियों के लिए प्रतियोगिता का होना स्वागत योग्य होता है क्योंकि इससे सर्वाधिक रूप से नागरिक ही लाभान्वित होते हैं।

अतः लोकतन्त्र में जब लोक कल्याणकारी नीतियां विभिन्न राजनैतिक दलों के बीच प्रतियोगिता का माध्यम बन जाती हैं तो आम जनता का सशक्तीकरण भी तेज होने लगता है और इससे अन्ततः आर्थिक विषमता के कम होने के आसार ही बनते हैं परन्तु देश तभी मजबूत बनता है जब प्रत्येक नागरिक उत्पादनशीलता में भागीदारी करे। अतः लोकतन्त्र इस तरफ भी बराबर का जोर डालते हुए जन कल्याणकारी नीतियां बनाता है।

लगेगी आग तो आयेंगे घर कई जद में

पिछले साल राहुल गांधी ने लंदन में जब कहा कि भाजपा ने पूरे देश में नफरत का केरोसिन छिड़क दिया है, तो भाजपा के प्रवक्ता ने तत्काल 1984 के सिख विरोधी दंगों का हवाला देते हुए कांग्रेस को ही घासलेट डालने वाली पार्टी बताने की कोशिश की थी। लेकिन अब अपने ही एक नेता के नफरत भरे बयान की आंच में भाजपा खुद झुलसती नजर आ रही है। दरअसल राजस्थान के तिजारा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे बाबा बालकनाथ के समर्थन में आयोजित एक जनसभा में पार्टी के नेता संदीप दायमा– जो खुद पिछले चुनाव में इसी क्षेत्र से प्रत्याशी थे, ने कहा, कि श्कुछ लोग हमें धर्म और जाति के नाम पर बांटना चाहते हैं, हमें बहुत समझदार होने की जरूरत है। जिस तरह से मस्जिद और गुरुद्वारे बनाए गए और छोड़ दिए गए, वे आगे चलकर नासूर बन जाएंगे। इसलिए हमारा धर्म है कि नासूर को यहां से उखाड़ फेंकना चाहिए। अलवर के सांसद बाबा बालकनाथ अब इस काम को पूरा करेंगेश। इस बयान पर हंगामा तो होना ही था। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने तो अपना रोष जताया ही, शिरोमणि अकाली दल ने भी भाजपा का विरोध किया। और तो और, भाजपा के पंजाब प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने संदीप के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर दी। हालांकि दायमा ने इस बीच अपने बयान पर माफी मांगते हुए एक वीडियो जारी किया और सफाई दी कि वे अपने भाषण में दरअसल मस्जिद–मदरसे का जिक्र करना चाहते थे, लेकिन उनके मुंह से मदरसे की जगह गुरुद्वारे निकल गया। उन्होंने कहा, श्मुझे नहीं पता कि मुझसे यह गलती कैसे हो गई। मैं उन सिखों का अपमान करने के बारे में सोच भी नहीं सकता, जो हमेशा हमारे सनातन धर्म की रक्षा करने के लिए जाने जाते हैं।श दूसरी तरफ बाबा बालकनाथ ने पत्रकारों से कहा कि 'दायमा से पाप हो गया है, लेकिन उम्मीद है कि सिख समुदाय उसे माफ कर देगा'। दायमा ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को भी माफी मांगते हुए चिठ्ठी लिखी लेकिन सिख समुदाय न तो दायमा के वीडियो से, न ही उनकी चिठ्ठी से संतुष्ट है। अलवर ही नहीं, राजस्थान के दूसरे शहरों और पंजाब में भी वह अपना आक्रोश जताने सड़कों पर उतर आया। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी ने दायमा के भाषण पर नाराजगी जाहिर करते हुए कैथल जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजा। एक वीडियो में जिला प्रशासन (शायद कोटा) के अफसरों को सिख समुदाय के नेता चुनाव आयोग के नाम ज्ञापन देते और सवाल पूछते दिखाई दे रहे हैं कि कि श्देश में चुनाव आयोग नाम की कोई चीज है या नहीं? अगर है तो महसूस क्यों नहीं हो रहा? एक आदमी मंच से मस्जिदों–गुरुद्वारों को नासूर बता रहा है तो चुनाव आयोग क्या कर रहा हैश? सिख नेता आगे कहते हैं कि श्नासूर तो दरअसल भाजपा और दायमा जैसे फिरकापरस्त लोग हैं। हालांकि चुनाव आयोग ने दायमा को नोटिस जारी कर दिया है और भाजपा ने भी उन्हें निष्कासित कर दिया है। लेकिन सवाल ये है कि दायमा ने अगर गुरुद्वारे की जगह मदरसे ही कहा होता तो क्या आयोग और भाजपा उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करते? ध्यान रहे, नफरत की ये भाषा केवल सिखों, मुसलमानों या ईसाईयों के लिये नहीं बोली जा रही है, आम तौर पर भाजपा को समर्थन देने वाला जैन समाज भी इसकी चपेट में आ गया है। बाबा बालकनाथ एक हिन्दू पुजारी हैं और भाजपा के सांसद हैं, तो भाजपा के ही सांसद रहे महेश गिरी अब जूनागढ़ के पीठाधीश्वर और गुरु दत्तात्रेय ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं। उन्होंने गिरनार तीर्थ में दिगंबर जैन संतों के आने पर उनके साथ हिंसा की बात कही, जिस पर जैन समाज ने अपना आक्रोश दिखाया तो महेश गिरी ने कहा कि उन्होंने नागा साधुओं के लिए वह बात कही थी, जैन संतों के लिए नहीं। दरअसल, गिरनार को भगवान नेमिनाथ की निर्वाण स्थली माना जाता है, लेकिन गिरी के ऐसे आदमी को सांसद क्यों बनाया गया था। उसका कहना है कि 2013 में भी महेश गिरी की शह पर मुनि प्रबल सागर महाराज पर कातिलाना हमला किया गया था, जिसके विरोध में देशव्यापी आंदोलन हुआ था। लेकिन गिरी पर कोई कार्रवाई करने के बजाय भाजपा ने उन्हें पूर्वी दिल्ली से लोकसभा का टिकट दे दिया। अब एक बार फिर जैन समाज पूरे देश में आंदोलन के रास्ते पर है। अभी उसने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजे हैं और कहा है कि महेश गिरी पर कार्रवाई नहीं हुई तो दिगंबर जैन मुनि और आर्यिकाएं दिवाली नहीं मनाएंगे, बल्कि उस दिन वे अन्न–जल भी ग्रहण नहीं करेंगे। यह दिवाली जैन समाज के लिए काली दिवाली होगी। दायमा का पार्टी से निष्कासन शायद एक तात्कालिक समाधान हो, लेकिन गिरनार मामले में सरकार क्या कोई कदम उठाएगी– खास तौर से तब जब उसके गृह मंत्री स्वयं जैन समाज से ताल्लुक रखते हैं और उसी गुजरात से आते हैं जहां यह बवाल खड़ा हुआ है

मुताबिक वह भगवान दत्तात्रेय का स्थान है और जैनियों का वहां कोई अधिकार नहीं बनता। कहना न होगा कि सिख समुदाय की तरह जैन समाज भी उद्वेलित है। सिख समुदाय ने अगर इस बात पर ऐतराज किया है कि दायमा के भाषण पर योगी आदित्यनाथ ताली बजा रहे थे तो गिरी के बारे में जैन समाज पूछ रहा है कि और उसकी जड़ में भगवा बिरादरी का ही एक सदस्य है। इससे भी बड़ा सवाल ये है कि लगभग एक ही समय में घटे इन दो प्रसंगों से क्या भाजपा कोई सबक लेगी!एक बार फिर राहत इन्दौरी का शेर याद आता है –

लगेगी आग तो आयेंगे घर कई जद में यहां पे सिर्फ हमारा मकान थोड़ी है...

लोकतंत्र में धर्म की भूमिका

अपेक्षा व्यास

लोकतंत्र एक बड़े परिवार की तरह है जहां सभी की राय और मान्यताएं मायने रखती हैं। लोग आते हैंअलग-अलग पृष्ठभूमि से हैं और उनके धर्म सहित अलग-अलग विचार हैं। लेकिन कैसे करता हैक्या धर्म लोकतंत्र के इस बड़े परिवार में फिट बैठता है। आइए सरल शब्दों में जानें. सबसे पहले, हमें यह जानना चाहिए कि धर्म एक बहुत ही निजी चीज़ है। यह उस बारे में है जिस पर आप विश्वास करते हैं, जैसेभगवान या देवता, और आप कैसे पूजा करते हैं। लोकतंत्र में लोगों को किसी पर भी विश्वास करने का अधिकार हैवे जो धर्म चाहते हैं. इसे धर्म की स्वतंत्रता कहा जाता है और यह एक महत्वपूर्ण नियम है। इसका मतलब है आपबिना किसी के कहे आपके विश्वासों का पालन कर सकते हैं। लेकिन, लोकतंत्र में एक नियम है जो कहता है कि धर्म और सरकार अलग-अलग होने चाहिए। यहइसका मतलब है कि जो लोग देश के लिए नियम बनाते हैं, जैसे राष्ट्रपति याकानून निर्माताओं को अपने धर्म को सब कुछ तय नहीं करने देना चाहिए। ऐसा इसलिए है क्योंकि बहुत सारे हैंकिसी देश में धर्म, और हर कोई एक जैसी चीज़ों में विश्वास नहीं करता। तो, निष्पक्ष होने के लिए,सरकार को सभी के साथ समान व्यवहार करना चाहिए, चाहे वे किसी भी धर्म को मानने वाले हों। यह कहा जाता है धर्मनिरपेक्षता, और यह लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। धर्म लोकतंत्र के लिए भी अच्छे काम कर सकता है। कुछ धर्म हमें दयालु होना और मदद करना सिखाते हैंअन्य। इसलिए, जो लोग इन शिक्षाओं का पालन करते हैं वे अपने समुदाय की मदद करना चाहते हैं या दान देना चाहते हैंदान। इससे समाज को सभी के लिए बेहतर बनाया जा सकता है। लेकिन कई बार राजनीति के लिए धर्म का गलत इस्तेमाल भी किया जा सकता है. कुछ राजनेता उपयोग करने का प्रयास कर सकते हैंधर्म वोट पाने के लिए या लोगों को बांटने के लिए। यह लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है क्योंकि यह बना सकता हैलोग आपस में लड़ते हैं. स्वस्थ लोकतंत्र में हमें सदैव सावधान रहना चाहिएधर्म और राजनीति का बहुत अधिक मिश्रण। तो, सरल शब्दों में, धर्म हमारे जीवन का एक हिस्सा है, और लोकतंत्र में, हमें इसका अधिकार हैहमारी मान्यताओं का पालन करें. लेकिन हमें सभी के प्रति निष्पक्ष भी रहना चाहिए, चाहे वे किसी भी धर्म के हों।इस तरह, हम सभी अपने बड़े लोकतंत्र में एक खुशहाल और शांतिपूर्ण परिवार बन सकते हैं।

दिल्ली पुलिस ने नेतागिरी निकाल देने की धमकी दी, यति नरसिंहानंद गिरी का आमरण अनशन शुरू

ट्रांस हिंडन। महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी ने आमरण अनशन की शुरुआत कर दी है। दरअसल यह अनशन जनसंख्या नियंत्रण कानून के समर्थन में शुरू किया गया है। यति नरसिंहानंद गिरी ने जनसंख्या समाधान फाउंडेशन के अध्यक्ष अनिल चौधरी के समर्थन में गाज़ियाबाद जिला मुख्यालय पर अपना आमरण अनशन आरम्भ किया है। अनिल चौधरी पिछले 10 दिन से साहिबाबाद में आमरण अनशन कर रहे हैं। उनकी मांग जनसंख्या नियंत्रण को लेकर कानून बनाने की है। इससे पहले मंगलवार को जनसंख्या नियंत्रण कानून के समर्थन में दिल्ली के जंतर मंतर पर आमरण अनशन करने जा रहे महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी महाराज को मंगलवार की सुबह दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। यति नरसिंहानंद गिरी महाराज ने दिल्ली पुलिस पर आरोप भी लगाया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नरसिंहानंद ने दिल्ली पुलिस पर गाली-गलौज करने का आरोप लगाया है। रिपोर्ट के मुताबिक. नरसिंहानंद का आरोप है कि दिल्ली पुलिस ने उन्हें नेतागिरी निकाल देने की धमकी दी और उनके साथ अभद्रता से बातचीत की है। शिवशक्ति धाम डासना के पीठाधीश्वर तथा श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी को यूपी गेट पर रोक गया था। इसके बाद वह सड़क पर ही धरना देकर बैठ गए। काफी गहमागहमी के बाद पुलिस ने उन्हें छोड़ दिया। इसके बाद वह लाजपत नगर में चल रहे जनसंख्या समाधान फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के आमरण अनशन स्थल पर पहुंचे और अपना समर्थन दिया। साथ ही जिला मुख्यालय पर आमरण अनशन करने की घोषणा की थी। महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी को मंगलवार दोपहर दिल्ली पुलिस ने जनसंख्या समाधान फाउंडेशन के अध्यक्ष अनिल चौधरी के समर्थन में दिल्ली के जंतर मंतर पर अनशन करने के लिए जाते वक्त यूपी गेट बार्डर पर रोक लिया। दिल्ली पुलिस की टीम ने यूपी बार्डर से दिल्ली में घुसते उन्हें रोक दिया। वह हाईवे पर ही धरने पर बैठ गए। पुलिस यति को गाजीपुर थाने ले गई थी। बाद में उन्हें छोड़ दिया गया था। अब यति नरसिंहानंद ने दिल्ली पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

जैविक खेती का दायरा 50 फीसदी तक ले जाने की जरूरत: अमित शाह

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि हमें देश में जैविक खेती का दायरा 50 फीसदी तक ले जाने की जरूरत है। आज हम खाद्यान्न क्षेत्र में आत्मनिर्भर हैं लेकिन अब समय है कि हम जैविक उत्पाद को देश-दुनिया तक पहुंचाएं। इस दिशा में राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (एनसीओएल) किसानों को मदद करेगी। यह संस्था किसानों के उत्पाद को खरीदने से लेकर पैकेजिंग, मार्केटिंग, भंडारण, वितरण आदि में मदद करेगी। किसानों के उत्पाद के प्रमाणन में भी एनसीओएल सहयोग करेगी। शाह ने बुधवार को एनएएससी कॉम्प्लेक्स, आईसीएआर कन्वेंशन केन्द्र, पूसा में आयोजित राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड के माध्यम से जैविक उत्पाद को बढ़ावा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में कहा कि जैविक खेती को लेकर एक भ्रम था कि इससे उपज कम होती है लेकिन आज कई किसानों ने यह भ्रम तोड़ा है। जैविक खेती कर किसानों ने उपज के साथ आय भी बढ़ाई है। देश में इसके अनेक सफल मॉडल हैं। केन्द्र सरकार भी जैविक उत्पाद को

बढ़ावा देने के लिए वचनबद्ध है। इसीलिए मोदी सरकार ने राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (एनसीओएल) का गठन किया था। इसके माध्यम से देश-दुनिया में भारतीय जैविक उत्पादों को पहुंचाया जाएगा। शाह ने कहा कि आने वाले दिनों में जैविक उत्पाद के क्षेत्र में एनसीओएल एक भरोसेमंद ब्रांड बनेगा। आज इसके 06 जैविक उत्पाद लांच हुए हैं। आने वाले दिनों में एनसीओएल भारतीय जैविक उत्पादों को पूरी दुनिया में पहुंचाएगी। यह एक भरोसेमंद ब्रांड बनेगा।

शाह ने कहा कि मोदी सरकार सहकारिता को मजबूत करने के संकल्प के साथ बढ़ रही है। देश के लगभग 90 फीसदी लोग किसी न किसी तरह सहकारी आंदोलन से जुड़े हैं। हमें मिलकर जैविक खेती के लिए माहौल तैयार करना है। सरकार की ओर से इस दिशा में कई कदम उठाए गए हैं। शाह ने किसानों से अनुरोध किया कि वह जैविक खेती की ओर रुख करें। रासायनिक खादों का उपयोग कम करें। शाह ने कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (एनसीओएल) का लोगो, वेबसाइट और ब्रोसर का शुभारंभ किया। इस दौरान शाह ने एनसीओएल सदस्यों को सदस्यता प्रमाणपत्र भी वितरित किए। इस एकदिवसीय संगोष्ठी के दौरान एनसीओएल के उद्देश्यों, जैविक उत्पादों के महत्व के साथ-साथ छोटे और सीमांत किसानों के उत्थान में सहकारी समितियों की भूमिका पर चर्चा की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहकार से समृद्धि के विजन के अनुरूप भारत को जैविक उत्पादों में विश्व में अग्रणी बनाने के लिए एनसीओएल की स्थापना एक राष्ट्रीय स्तर की बहु-राज्य सहकारी समिति के रूप में की गई है। सहकारिता मंत्रालय ने देश में सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने के लिए पिछले 27 महीनों में 54 महत्वपूर्ण पहल की हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और लोकल से ग्लोबल की दिशा में जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्तर की सहकारी समिति की स्थापना एक महत्वपूर्ण कदम है। एनसीओएल का लक्ष्य जैविक उत्पादक किसानों और उत्पादक संगठनों को बाजार तक सीधी पहुंच प्रदान करते हुए उपज पर मुनाफा बढ़ाना है। एक मजबूत ब्रांड के तहत राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच मिलने से एनसीओएल के सदस्यों को उनकी जैविक उपज के लिए बेहतर रिटर्न मिल सकेगा। इस कार्यक्रम में केन्द्र सरकार, राज्य, केंद्र शासित प्रदेश के अधिकारियों, बहु-राज्य सहकारी समितियां, वित्तीय संस्थाएं, सहकारी संघ, जिला सहकारी संघ, जैविक प्रमाणन निकाय और परीक्षण प्रयोगशालाएं, जैविक क्षेत्र के विशेषज्ञ और देश भर से अन्य जैविक उत्पादक हितधारक सहित 1000 से अधिक प्रतिभागी भाग लेंगे दिल्ली आए हैं। एनसीओएल को 25 जनवरी, 2023 को मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटीज एक्ट, 2002 के तहत पंजीकृत किया गया था। देश की तीन प्रमुख सहकारी समितियों- नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनसीसीएफ), गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड और नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड और भारत सरकार के दो प्रमुख वैधानिक निकाय राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) ने संयुक्त रूप से एनसीओएल को प्रमोट किया है।

नीतीश कुमार के बयान पर मचा सियासी बवाल

एनसीडब्ल्यू ने बताया सी ग्रेड फिल्मी डायलॉग जैसा

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा में मंगलवार को लड़कियों को शिक्षित करने से जनसंख्या नियंत्रण पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव के बारे में नीतीश कुमार के बयान पर सियासी बवाल मच गया है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने बयान की निंदा करते हुए मुख्यमंत्री से अपने बयान के लिए देश से माफी मांगने की मांग की है। बुधवार को राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री का कल का बयान बेहद आपत्तिजनक और अपमानजनक था। आयोग ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि जिस तरह उन्होंने विधानसभा में बात की वह सी ग्रेड फिल्म के डायलॉग जैसा था। महिलाओं के सामने और सबसे बुरी बात यह थी कि उनके पीछे बैठे पुरुष हंस रहे थे। उनकी हरकतें और हावभाव लगभग भद्दे मजाक की तरह थे। सबसे बुरी बात यह है कि अध्यक्ष ने उन्हें अभी तक नहीं हटाया है। बिहार विधानसभा अध्यक्ष को उनके खिलाफ कदम उठाना चाहिए। रेखा शर्मा ने कहा कि विधानसभा में उनकी अमर्यादित टिप्पणी हर महिला की गरिमा और सम्मान का अपमान है। उनकी भाषा बहुत अपमानजनक

और घटिया है। अगर कोई नेता लोकतंत्र में खुलेआम ऐसे बयान देता है तो आप कल्पना कर सकते हैं कि राज्य में महिलाओं की क्या स्थिति होगी।

विदेशियों का हमारी रसोई पर कब्जा, यह स्वास्थ्य लिए घातक : डॉ. मुरली मनोहर जोशी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि विदेशियों ने हमारी रसोई पर कब्जा कर लिया है। यह देशवासियों के स्वास्थ्य के लिए घातक है। डॉ. जोशी गांधी दर्शन में पिछले तीन दिवसीय मिलेट्स महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मिलेट देश की संस्कृति से जुड़ा प्रश्न है। घर में बनने वाला खाना सबसे अच्छा होता है। पहले हम चौकी पर बैठ कर हाथ से खाते थे और आज हम बिना छुरी-कांटे के नहीं खाते हैं।

इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि मोटा अनाज हमारा पारंपरिक आहार है, जिसे खाकर हमारे पूर्वज लम्बी आयु जीते रहे हैं। श्री धान्य में विशेषता है कि यह हमारे शरीर की सफाई भी करती है। मैं इस सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई देता हूं।

अवसर ट्रस्ट के अध्यक्ष पूर्व सांसद आरके

सिन्हा ने कहा कि देश में मिलेट्स को लेकर जागरुकता फैलाने की जरूरत है। मोटा अनाज हमारी सेहत के लिए लाभदायक है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष रामबहादुर राय ने कहा कि मैं खादर वली जी का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं और इनके बताये गए सभी नियमों का पालन करने की कोशिश करता हूं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सचिव सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि इंदिरा गांधी कला केंद्र इस मिलेट्स महोत्सव के आयोजकों में शामिल है। हम एक समय मिलेट्स वाला भोजन कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बना सकते हैं। ये दिवाली मिलेट वाली थीम बहुत प्रचारित हो गया है। हम लोगों ने मिलेट्स के लिए इस कार्यशाला के माध्यम से एक यज्ञ की शुरुआत कर दी है। गांधी दर्शन के उपाध्यक्ष विजय गोयल ने कहा कि हम सब मिलेट्स पर एक आयोजन की परिकल्पना कर रहे थे। हमलोग बचपन से ज्वर बाजरा खाकर बड़े हुए हैं। यहां बने मिलेट्स का खाना इतना स्वादिष्ट था कि मैं भेद नहीं कर पाया कि यह मिलेट्स से बना खाना है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुबोधकान्त सहाय ने कहा कि इस देश में हर दूसरा व्यक्ति शुगर और ब्लड प्रेशर का मरीज है। ऐसे वक्त में मिलेट्स की और प्रासंगिकता बढ़ गई है। इस कार्यशाला में शामिल होने वाले सभी लोग बहुत भाग्यशाली हैं। मिलेट मैन के नाम से प्रसिद्ध डॉ. खादर वली ने कहा कि आज हम पाश्चात्य जीवन जीने कारण जिस दिक्कत से गुजर रहे हैं

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर करीब एक महीने में 530 करोड़ की अवैध सामग्री जब्त

जयपुर। राजस्थान में आगामी 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा आम चुनाव के मद्देनजर आचार संहिता लगने के बाद करीब एक महीने में प्रदेश में 530 करोड़ रुपए मूल्य की अवैध शराब, नगदी एवं अन्य सामग्री जब्त की गई है जो गत विधानसभा चुनाव के समय की जब्ती से अब तक 758 प्रतिशत से अधिक हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता के अनुसार प्रदेश में अलग-अलग एजेंसियों की ओर से जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है। इस दौरान 23 जिले ऐसे है जहां दस करोड़ से अधिक अवैध सामग्री जब्त की गई। श्री गुप्ता ने बताया कि इस दौरान सर्वाधिक 86 18 करोड़ रुपए मूल्य की अवैध सामग्री जयपुर जिले में जब्त की गई। इसी तरह अलवर में 31 40 करोड़, बूंदी में 22 16 करोड़ जोधपुर में 21 93 करोड़, उदयपुर में 21 29 करोड़, बीकानेर में 20 50 करोड़, नागौर में 20 15 करोड़ , चित्तौड़गढ़ में 19 92 करोड़ , भीलवाड़ा में 19 90 करोड़, गंगानगर में 18 25 करोड़, कोटा में 17 18 करोड़, हनुमानगढ़ में 15 96 करोड़, हनुमानगढ़ में 15 96 करोड़, बाड़मेर में 15 86 करोड़, बांसवाड़ा में 14 93 करोड़, सीकर 14 85

करोड, भरतपुर में 11 37 करोड़ एवं दौसा में 11 01 करोड़ रुपए की अवैध सामग्री जब्त की गई।

इसी तरह अन्य अन्य जिलों में भी करोड़ों की अवैध सामग्री जब्त की गई।

एल्विश यादव की आधी रात पुलिस के सामने पेशी, 3 घंटे में पूछे गए कौन से 50 सवाल

नई दिल्ली। रेव पार्टी आयोजित कराने और उसमें सांपों का जहर सप्लाई करने के आरोपों से घिरे बिग बॉस विजेता एल्विश यादव से नोएडा पुलिस ने पूछताछ की है। मशहूर यूट्यूबर मंगलवार देर रात सेक्टर-20 थाने में नोएडा पुलिस के सामने पेश हुए। पुलिस ने तीन घंटे के भीतर करीब 50 सवाल पूछे हैं। लेकिन अभी सवाल-जवाब का नया दौर बाकी है। पुलिस अब एल्विश और मामले से जुड़े अन्य पांचों आरोपियों को आमने-सामने बैठाकर पुलिस पूछताछ करेगी। आरोपियों की पुलिस कस्टडी रिमांड के लिए पुलिस ने न्यायालय में अर्जी लगाई थी। सुनवाई पूरी हो चुकी है। सवालों की सूची तैयार है। सहमति मिलते ही एल्विश और अन्य पांच आरोपियों को आमने-सामने बैठाया

जाएगा। एल्विश से पुलिस ने रेव पार्टी,जहर की सप्लाई और राहुल से संबंधों पर ज्यादा सवाल पूछे। हालांकि एल्विश ने जवाब में क्या बताया इसके बारे में अभी नोएडा पुलिस ने कुछ भी बोलने से इनकार किया है। डीसीपी और एसीपी स्तर के अधिकारियों ने भी एल्विश से पूछताछ की है।

हर सवाल पर हिचका

नोएडा पुलिस के हर सवाल पर एल्विश जवाब देने में हिचक रहा था। हालांकि, उसने अपने ऊपर सभी लगे आरोपों को सिरे से नकार दिया। 7 अधिवक्ता भी रात दो बजे एल्विश के साथ पहुंचे थे। सुबह करीब 5 बजे वह अपने वकीलों के साथ वापस हरियाणा चला गया। पुलिस अब दोबारा से उसे पूछताछ के लिए बुलाएगी। शाम तक दोबारा पूछताछ होगी।

किस तरह के पूछे गए सवाल

- आपका राहुल से कैसे संपर्क हुआ, उससे पहली बार कहां मिले।
- क्या राहुल को कॉल सिर्फ सांप और वेनम के लिए करते थे।
- नोएडा में रेव पार्टी हुई थी या नहीं, इसमें आपकी क्या भूमिका थी।
- रेव पार्टी में शामिल होने वाली विदेशी लड़कियां कहां से आती थीं।
- दिल्ली, राजस्थान के फार्म हाउसों में हुई रेव पार्टी में क्या आप शामिल थे।
- रेव पार्टी में कौन-कौन लोग आए।
- वीडियो में सांप के साथ दिख रहे अन्य लोग कौन हैं।
- क्या ये सभी नशे के लिए जहरीले वेनम का इस्तेमाल करते हैं।

पांच आरोपियों की कस्टडी रिमांड पर आज फैसला

एल्विश यादव प्रकरण में जेल भेजे गए पांचों आरोपियों की पुलिस कस्टडी रिमांड को लेकर मंगलवार को सूरजपुर के फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत बुधवार को रिमांड को लेकर फैसला सुनाएगी।

कुर्सी का सवाल, वोटिंग कराने चले केजरीवाल; आप का क्या है पूरा गेमप्लान

नई दिल्ली। कथित शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशाल (ईडी) की ओर से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को समन भेजे जाने के बाद से आम आदमी पार्टी (आप) में हलचल तेज है। पार्टी आशंका जता रही है कि केंद्रीय जांच एजेंसी अरविंद केजरीवाल को मनीष सिसोदिया और संजय सिंह की तरह गिरफ्तार करके जेल भेज सकती है। पार्टी अब इस मंथन में जुटी है कि यदि केजरीवाल को गिरफ्तार किया जाता है तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए या फिर पद पर बने रहना चाहिए। दिल्ली के विधायकों और पार्षदों की राय जानने के बाद अब पार्टी इस मुद्दे पर रायशुमारी कराने की योजना बना रही है। आप के एमसडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने मंगलवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी इस मुद्दे पर जनता के बीच जाएगी और पूछा जाएगा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री को क्या करना चाहिए। आप दिल्ली में इस बात पर वोटिंग कराएगी कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तारी के बाद इस्तीफा दे देना चाहिए या फिर उन्हें तिहाड़ से ही काम संभालना चाहिए। पाठक ने कहा, हम दिल्ली में जनमत संग्रह कराएंगे कि अरविंद केजरीवाल को तिहाड़ से सरकार चलानी चाहिए या इस्तीफा देना चाहिए।% उन्होंने एक हाई लेवल मीटिंग के बाद

कहा कि पार्टी इस मुद्दे पर डोर टू डोर रायशुमारी कराएगी। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी इस पर नुक्कड़ बैठकें भी करेगी।

कार्यकर्ताओं और नेताओं से मंथन

जनता के पास जाने से पहले आप नेताओं से उनकी राय पूछ रही है। दिल्ली के विधायकों और पार्षदों के साथ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बैठकें की हैं। पार्टी का कहना है कि विधायकों और पार्षदों ने केजरीवाल से अपील की है कि गिरफ्तार किए जाने के बाद भी वह इस्तीफा ना दें और जेल से काम करते रहें। पार्टी ने पंजाब, गुजरात और गोवा के विधायकों और अन्य नेताओं-कार्यकर्ताओं से भी बात करने का फैसला किया है।

बीजेपी ने बताया नाटक

इस बीच भाजपा ने आप के नए दांव को नाटक करार दिया है। दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा, पिछले दो दिन से आप यह छवि बनाने की कोशिश कर रही है कि केजरीवाल %जिंदा शहीद% हैं। लेकिन आप नेताओं को यह पता होना चाहिए कि दिल्ली के लोग इस बात को जानते हैं कि केजरीवाल शराब घोटाले में शामिल हैं। लगता है कि कर्म केजरीवाल को डरा रहा है और वह जानते हैं कि घोटाले का मनीट्रेल उनके दरवाजे तक आया है। इसलिए अब वह सबको एकजुट रखने के लिए चुने हुए प्रतिनिधियों को बुला रहे हैं।

क्या है आप का दांव?

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि रायशुमारी के जरिए आप एक तीर से कई निशाने साधने की कोशिश में हैं। पार्टी रणीतिकारों का मानना है कि दल और दिल्ली को सबसे बेहतर तरीके से केजरीवाल ही चला सकते हैं, इसलिए उन्हें दोनों पदों पर काबिज रहना चाहिए। लेकिन इसके लिए दिल्ली की जनता की राय भी ली जाएगी। पार्टी को लगता है कि अधिकतर लोग केजरीवाल को सीएम पद पर बने रहने को कहेंगे और इससे भाजपा समेत दूसरे दलों को नैतिकता जैसे प्रश्नों को उठाने का मौका नहीं मिलेगा। यह जनता के मन की बात को जानने का भी अच्छा मौका होगा। सर्वे के नतीजे के आधार पर पार्टी आगे की रणनीति तैयार कर सकती है।

दिशा परमार

से लेकर Ishita Dutta तक, टीवी की इन बहुओं ने डिलीवरी के बाद तुरंत पकड़ा काम

टीवी की कुछ एक्ट्रेसेस न केवल अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान बल्कि बेबी को जन्म देने के बाद भी काम में काफी व्यस्त थीं. दिशा परमार, भारती सिंह और देबिना बनर्जी जैसी कुछ एक्ट्रेसेस डिलीवरी के तुरंत बाद काम पर लौट आई हैं. इशिता दत्ता बेटे वायु को जन्म देने के तुरंत बाद काम पर वापस चली गईं.

दिशा परमार

दिशा परमार ने अपनी छोटी बेबी को जन्म देने के 2 महीने बाद, एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने काम के पहले दिन को शेयर किया. अपनी प्रेग्नेंसी के शुरुआती महीनों के दौरान, दिशा बड़े अच्छे लगते हैं के तीसरे सीजन की शूटिंग कर रही थीं.

गौहर खान

गौहर खान और ज़ुद दरबार ने दो महीने पहले, 10 मई, 2023 को अपने पहले बच्चे का स्वागत किया. एक्ट्रेस अपने

पुराने शेड्यूल पर लौट आई है और शूटिंग शुरू कर दी है. उन्होंने दो महीने की छुट्टी के बाद जिम और काम पर लौटने के बाद सोशल मीडिया पर फोटोज पोस्ट की.

इशिता दत्ता

इशिता दत्ता और वत्सल शेठ को 20 जुलाई, 2023 को वायु का आशीर्वाद मिला था. एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया कि अपने बेबी को जन्म देने के डेढ़ महीने बाद जल्द ही उन्होंने शूटिंग फिर से शुरू कर दी. उन्होंने लिखा, डिलीवरी के बाद पहला शूट, सेट पर वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है.

भारती सिंह

मुश्किल से 12 दिन बाद जब भारती सिंह हुनरबाज़ के सेट पर लौटीं तो हर कोई हैरान रह गया. उन्होंने स्वीकार किया कि अपने बेटे को घर पर छोड़ने से पहले वह बहुत रोई थी, एक्ट्रेस ने कहा था- %मैं बहुत रोई हूं आज, हालांकि बच्चा अभी 12 दिन का है, लेकिन काम तो काम है. मैंने शो देखना शुरू कर दिया है और फिनाले के लिए वापस लौटना होगा.

बिग बॉस 16 फेम Abdu Rozik ने किया पहला उमराह, फिलिस्तीन के लिए मांगी ये दुआ

बिग बॉस 16 फेम अब्दू रोजिक ने अपना पहला उमराह किया है. अब्दू ने इंस्टा स्टोरी पर इसकी झलक शेयर की है. अब्दू ने एक मिरर सेल्फी शेयर की है. इसके साथ उन्होंने लिखा- मेरा पहला उमराह और पहली दुआ.

अब्दू रोजिक ने लिखा ये

आगे अब्दू ने फोटो के साथ लिखा- अगर हम सभी बच्चों का पालन-पोषण और सुरक्षा करें, तो दुनिया धन्य हो जाएगी. अगर हम उन्हें खत्म कर देंगे तो उनके आंसुओं के वजन से दुनिया बर्बाद और नष्ट हो जाएगी. इसके साथ अब्दू ने लिखा फ्री फिलिस्तीन.

बिग बॉस 16 में नजर आए थे अब्दू

बता दें कि अब्दू रोजिक को बिग बॉस 16 में देखा गया था. इस दौरान उन्होंने अपनी क्यूटनेस से सभी का दिल जीता. अब्दू ने शो में बेहद शानदार परफॉर्म किया था. शो के दौरान उन्होंने अपने स्ट्रगल के बारे में भी बताया था. अब्दू ने कहा था कि मुश्किल समय के दौरान उन्होंने हिम्मत नहीं छोड़ी और फैमिली की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए कड़ी मेहनत की और काम किया.

अपने बर्थडे के मौके पर उन्होंने एक लॉन्ग नोट शेयर किया था. अब्दू ने लिखा- मुझे इतना सपोर्ट और प्यार करने के लिए थैंक्यू. अब मैं 20 साल का हो गया हूं. मैं बाजार में गाता था. मैंने बहुत सारी मुश्किलें झेली, लेकिन अब भगवान की कृपा से चीजें बदल गई हैं. मुझे और काम मिल रहा है और दोस्त बन रहे हैं. पहले मुझे ये तक नहीं पता था कि इंग्लिश कैसे बोलते हैं लेकिन आज मैं सीख रहा हूं. मेरे मुश्किल समय में मेरे साथ रहने के लिए आप सभी का शुक्रिया. ये साल आप लोगों के लिए सरप्राइज से भरा होगा. मैं आप सभी के लिए और अच्छी चीजें करूंगा.

Elvish Yadav के साथ सांप कांड में घसीटा जा रहा Manisha Rani का नाम, फैजन अंसारी ने दर्ज कराई FIR, किया बड़ा दावा

बिग बॉस ओटीटी 2 विनर एल्विश यादव पर कुछ दिनों पहले पार्टियों में सांप का जहर सप्लाई करने का आरोप लगा था. उन पर आरोप था कि वे रेव पार्टी भी करवाते हैं. मेनिका गांधी ने नोएडा में उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई थी. वहीं, अभी मामला ठंडा भी नहीं हुआ है कि अब इस केस में बिग बॉस ओटीटी 2 के एक और कंटेस्टेंट का नाम सामने आया है.

एल्विश यादव के साथ सांप कांड में पीसी मनीषा रानी सांप कांड केस में एल्विश के साथ ही उनकी दोस्त ने बिग बॉस ओटीटी 2 रनरअप मनीषा रानी का नाम भी घसीटा जा रहा है. इतना ही नहीं उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज करवा दी गई है. दरअसल, ये दावा एक्टर फैजान अंसारी ने किया है. उन्होंने मीडिया को दिए इंटरव्यू में मनीषा रानी पर गए गंभीर आरोप लगाए हैं.

फैजान अंसारी ने मनीषा रानी पर दर्ज कराई एफआईआर

इस दौरान फैजान अंसारी ने दावा किया है कि, मनीषा रानी भी एल्विश के साथ रेप पार्टी में जाती थी. इस केस में एल्विश के साथ मनीषा रानी भी शामिल है. इसके अलावा फैजान मे एल्विश पर भी कई गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने यूट्यूबर के लिए कहा कि है- एल्विश का बहुत बड़ा नेटवर्क है. यहां तक कि फैजान ने एल्विश के खिलाफ एक हफ्ते के अंदर एल्विश के खिलाफ कोर्ट में सबूत भी पेश करेंगे.

एल्विश ने सभी आरोपों को किया था खारिज बता दें कि, एल्विश पर फैजान अंसारी से पहले मेनिका गांधी ने पार्टी में सांप सप्लाई करने का आरोप लगाया था. हालांकि, एल्विश ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को खारिज कर दिया था और उन्होंने कहा था कि उन्हें झूठे केस में फंसाया जा रहा है. अब ये देखना दिलचस्प होगा कि मनीषा रानी अपने ऊपर लगे इन आरोपों पर क्या रिएक्शन देती हैं.

आकांक्षा दुबे

की खुदकुशी के मामले में सिंगर समर सिंह को बड़ी राहत, कोर्ट से मिली जमानत

भोजपुरी एक्ट्रेस आकांक्षा दुबे (Aakanksha Dubey) की मौत के मामले में एक नया अपेट सामने आया है. दरअसल एक्ट्रेस के मौत के मामले में जेल पहुंचे आरोपी सिंगर समर सिंह को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है. बता दें कि इलाहाबाद हाईकोर्ट में सिंगर जमानत मंजूर हो गई है.

सिंगर समर सिंह को मिली जमानत

जानकारी के अनुसार आरोपी समर सिंह की जमानत जस्टिस समीर जैन की सिंगल बेंच से मंजूर हुई है. समर सिंह की गिरफ्तारी 8 अप्रैल को हुई थी. तभी से वो जेल में बंद थे. दरअसल सिंगर पर आकांक्षा दुबे के परिवार वालों ने आरोप लगाया था कि उन्होंने एक्ट्रेस को खुदकुशी के लिए उकसाया था. वहीं मामले की जांच करने के बाद पुलिस ने समर सिंह और संजय सिंह के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने सहित अन्य धाराओं में चार्जशीट दाखिल की.

होटल में मिला था एक्ट्रेस का शव

बता दें कि आकांक्षा दुबे का शव वाराणसी के सारनाथ इलाके के एक होटल में 26 मार्च को संदिग्ध हालत में मिला था. खबरों के अनुसार उस वक्त एक्ट्रेस अपनी अपकमिंग फिल्म लायक हूं मैं नालायक नहीं की शूटिंग के लिए वाराणसी गई हुई थीं. इसी बीच उनकी मौत की खबर सामने आई. जिसे सुनकर हर कोई दंग रह गया.

इन फिल्मों में काम कर चुकी थीं आकांक्षा

बात करें आकांक्षा के वर्कफ्रंट की तो उन्होंने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया था. एक्ट्रेस ने अपना करियर महज 17 साल की उम्र में शुरू कर दिया था. उनकी फिल्मों की लिस्ट में 'मेरी जंग मेरा फैसला', 'मुझसे शादी करोगी', 'वीरों के वीर', 'फाइटर किंग', 'कसम पैदा करने वाले की 2' का नाम शामिल है.

मैं मायानगरी को छोड़कर आपकी सेवा करने बुधनी नगरी में आया हूंः विक्रम मस्ताल शर्मा

सीहोर/ बुधनी। बुधनी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम मस्ताल ने कहा है कि मेरे जीवन का लक्ष्य अपने क्षेत्रवासियों की सेवा करना है। मैंने मायानगरी को छोड़कर बुधनी नगरी की डगर इसलिए पकड़ी, ताकि मैं अपने जीवन को सार्थक बना सकूं और बुधनी विधानसभा के लोगों की सेवा कर सकूं। मुझे मेरे आराध्य 'हनुमानजी' एवं मां बिजासन देवी ने प्रेरणा दी कि मुझे जनता की सेवा करना है, इसलिए मैं माया नगरी को छोड़कर बुधनी नगरी में आया हूं। ये बातें बुधनी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम मस्ताल शर्मा ने कहीं। उन्होंने गुरुवार को बुधनी विधानसभा के उंचाखेड़ा, होलीपुरा, पांडाडोह, जलाखेड़ा, शाहगंज, खटपुरा, परतवाड़ा, अकोला, पहाड़खेड़ी, हथलेवा, चाच मठ, जहानपुर सहित कई गांवों का दौरा किया और क्षेत्र की जनता से आशीर्वाद मांगा।विक्रम मस्ताल शर्मा ने कहा कि माया नगरी में कौन नहीं रहना चाहता है, लेकिन मैंने सेवा के संकल्प के साथ मायानगरी को छोड़ा है और सेवा करने के लिए यहां पर आया हूं। उन्होंने कहा कि इस बार आप मुझे सेवा का अवसर दीजिए, मैं आपके जीवन में खुशियां ही खुशियां दूंगा। अब तक विकास की, रोजगार की, महिला सशक्तीकरण सहित गरीबों के जीवन में बदलाव की बातें तो बहुत हुई, लेकिन जमीन पर कुछ भी नजर नहीं आया। बड़ी-बड़ी बातें करने से काम नहीं होता है। बाकई में यदि विकास के कार्य देखना है तो पूर्व मुख्यमंत्री, पीसीसी चीफ कमलनाथजी के क्षेत्र छिंदवाड़ा में जाकर देखिए। उन्होंने कराया है विकास, उन्होंने बनाया है युवाओं के लिए रोजगार देने का मॉडल, उन्होंने तैयार किया है प्रदेश का विकास मॉडल, जो प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही लागू भी किया जाएगा। विक्रम मस्ताल शर्मा 'हनुमानजी' ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर ईलाज के लिए नेताओं के चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा, बल्कि हर व्यक्ति अपने ईलाज के लिए सक्षम होगा। इसके लिए कांग्रेस ने अपने वचन पत्र में प्रत्येक व्यक्ति का 25 लाख रूपए का मेडिक्लेम कराने एवं 10 लाख रूपए का दुर्घटना बीमा कराने का वचन भी दिया है। उन्होंने कहा कि 15 माह की कांग्रेस सरकार में भी किसानों का कर्जमाफ हुआ था और कांग्रेस सरकार बनते ही इस काम को फिर से शुरू किया जाएगा। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित कराए जाएंगे। प्रदेश में बड़े-बड़े उद्योग स्थापित कराए जाएंगे, ताकि प्रदेश सहित बुधनी विधानसभा के बेरोजगार युवाओं को रोजगार मिल सके। उन्होंने कहा कि बुधनी को भी विकास का मॉडल तैयार किया जाएगा।

आपका एक-एक वोट क्षेत्र और प्रदेश का भविष्य तय करेगा-भाजपा प्रत्याशी विधायक सुदेश राय

सीहोर। विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी विधायक सुदेश राय ने गुरुवार को सीहोर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक दर्जन से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ जनसंपर्क किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि केन्द्र और प्रदेश की सरकार अनेक कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। जिससे सभी वर्ग के लोगों को लाभ मिल रहा है। आपका एक-एक वोट सीहोर विधानसभा और प्रदेश का भविष्य तय करेगा।गुरुवार को अपने जनसंपर्क की शुरूआत भाजपा प्रत्याशी विधायक श्री राय ने ग्राम तोरनिया से की। इस मौके पर बडी मात्रा में पुष्प वर्षा और आतिशबाजी से उनका स्वागत किया। इस मौके पर उन्होंने छोटे-छोटे गांवों में जनता के मध्य पहुंचकर आशीर्वाद

लिया। इस दौरान उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने किसानों के हित में ही फैसले लिए है। चाहे अतिवृष्टि हो या फिर ओलावृष्टि हो, अगर फसलों को नुकसान पहुंचा है तब भाजपा सरकार ने आगे होकर किसानों के नुकसान की भरपाई की है। दस सालों में सीहोर विधानसभा की तस्वीर बदल गई है। भाजपा सरकार में विकास के लिए राशि की कोई कमी नहीं है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आगे भी क्षेत्र का निरंतर विकास किया जाएगा।गुरुवार को भाजपा प्रत्याशी विधायक श्री राय ने तोरनिया, सतोरनिया, छापरी दोराहा, अतरालिया, झागरिया, जेतली, बराडीकला, बराड़ी खुर्द, खुशामदा, नातराखेड़ी और झरखेड़ा सहित अन्य ग्रामों में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ जनसंपर्क किया।

आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए जैतवारा पुलिस और असम बटालियन की संयुक्त पैदल फ्लैग मार्च

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

जैतवारा -आगामी विधानसभा चुनाव में निष्पक्ष एवं निर्भीक मतदान कराने चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर जिले के जैतवारा थाना पहुंची असम बटालियन की टीम ।असम बटालियन और जैतवारा थाना पुलिस किटहा नचनौरा जैतवारा कस्बा में बूथ चेकिंग

फेरारी कार्ड रहे आरोपियों की धर पकड़ के साथ-साथ ग्रामीण एवं बाजार में पैदल फ्लैग मार्च किया गया,लगातार थाना क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में भ्रमण कर हर गतिविधि पर रख रहे पैनी नजर।

महिलाओं के खाते में राशि आने के बाद खिल उठे चेहरे

भाजपा प्रत्याशी को मिल रहा लाडली बहनों का आशीर्वाद

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
अभिषेक कुशवाह

सिरोंज।दीपावली त्यौहार के पहले शिवराज सरकार द्वारा प्रदेश की लाडली बहना योजना की हितग्राही महिलाओ के खाते में राशि पहुँचने से खासा उत्साह दिखाई दी इसकी बानगी बुधवार को नगर के साथ ग्रामीण अंचल में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार कर रहे कार्यकर्ताओं को दिखाई दी। डोर टू डोर प्रचार अभियान को जा रहे भाजपा कार्यकर्ताओं को लाडली बहनाओ ने खूब आशीर्वाद देते हुए सरकार का धन्यवाद भी किया। बुधवार को भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा के लिए वार्ड 17 में भाजपा कार्यकर्ता जब जनसपंर्क के लिए पहुँचे तो परिवारों में महिलाओं की खुशी अलग ही झलक रही थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने जो कहा वह करके दिखाया है त्यौहार के पहले पैसे आ जाने से अब हमारी दीवाली ओर अच्छे से मन जाएगी। जनसंपर्क के दौरान कार्यकर्ताओं ने घर घर जाकर सिरोंज शहर में हो रहे विकास कार्यों की निरंतरता के लिए भाजपा की सरकार बनाने के लिए मतदान करने की अपील की। जनसंपर्क के दौरान कार्यकर्ता भाजपा सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं से भी अवगत करा रहे हैं। भाजपा नेता रमेश यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने विकास की न सिर्फ रणनीति बनाई बल्कि धरातल पर साकार करके दिखाया भी है इस अवसर पर प्रमुख रूप से हरिबाबू भार्गव,मंडल अध्यक्ष पारस तारण ,मनमोहन साहू,मनोज साईनाथ पार्षद हरिचरण अहिरवार, टीकाराम शाक्य,रिंकू यादव,कैलाश यादव,सीताराम कुशवाह सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्रामीण क्षेत्र में सक्रिय है बेटियां-भाजपा प्रत्याशी उमाकान्त शर्मा के लिए ग्रामीण क्षेत्रों की कमान भाजपा नेताओं के साथ पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा के बेटियों ने दामादों के साथ संभाल रखी है। वह ग्रामीण क्षेत्र के गाँव मे घर घर जाकर अपने पिता लक्ष्मीकांत शर्मा द्वारा पूर्व में कराए गए विकास कार्यों के साथ उनके सपनों को पूरा करने में लगे चाचा उमाकान्त शर्मा को वोट देकर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने की अपील कर रही है।

लाडली बहना योजना उमाकांत जी का अद्भुत मैनेजमेंट भाजपा को बना रहा मजबूत- प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई लाडली बहन योजना निश्चित ही भारतीय जनता पार्टी को मजबूती प्रदान कर रही है यह योजना जहां महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है वहीं दूसरी ओर लाडली बहने अपने भाई की चिंता भी कर रही हैं साथ ही वर्तमान विधायक एवं भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा अपने अद्भुत मैनेजमेंट के लिए जाने जाते है वहीं अधिकांश नेता जहां सिर्फ चुनाव के समय ही क्षेत्र में सक्रिय होते हैं तो वहीं दूसरी ओर यह पूरे समय क्षेत्र में सक्रिय रहते हैं लगातार कार्यकर्ताओं से मिलते हैं क्षेत्र की समस्या को जानते हैं उन समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयासरत है यही कारण है कि आज भाजपा कार्यकर्ता अपने प्रत्याशी के लिए तन मन धन से समर्पित हैं चुनाव के नतीजे क्या रहेंगे यह तो आने वाला समय बताएगा फिलहाल तो बीजेपी कांग्रेस सहित अन्य दल सघन जन संपर्क , प्रचार प्रसार सहित चुनावी रणनीतियां बना रहे हैं वही पर्टियों के कार्यकर्ता अपनी अपनी जीत के दावे कर रहे हैं

13 अपराधियों के विरुद्ध बाउण्ड ओव्हर एवं एक के विरुद्ध जिला बदर की कार्यवाही

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी

सतना जिले में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, भय-रहित वातावरण में आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 के निर्वाचन कार्यक्रम को संपन्न कराने के उद्देश्य से असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कठोर, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अनुराग वर्मा ने जिले के 13 आदतन अपराधियों के विरुद्ध संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारियों को प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने का आदेश जारी किया हैं। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा थाना चित्रकूट अंतर्गत कामता निवासी प्रणव त्रिपाठी पिता रामनारायण त्रिपाठी उम्र 22 वर्ष, आदर्श नगर निवासी मनीष सिंह परिहार पिता बृजनरेश सिंह परिहार उम्र 24 वर्ष, कामतन निवासी आशीष उर्फ दस्सा पटेल पिता शिवपूजन पटेल उम्र 19 वर्ष, नयागांव निवासी मुन्ना निषाद पिता नत्थू प्रसाद निषाद उम्र 43 वर्ष, मोहनिया उर्फ मोहन केवट पिता स्व. रामाश्रय केवट उम्र 45 वर्ष, कामता बस्ती निवासी अभिषेक त्रिपाठी पिता स्व. राजकिशोर त्रिपाठी उम्र 23 वर्ष, थाना मैहर अंतर्गत चौरसिया मोहल्ला निवासी आशीष चौरसिया पिता दुलीचंद्र चौरसिया उम्र 38 वर्ष, कचलोहा निवासी रामा उर्फ अमर रावत पिता प्रमोद रावत उम्र 23 वर्ष, थाना अमदरा अंतर्गत सोनवर्षा निवासी राजकुमार साकेत पिता साधूलाल साकेत उम्र 42 वर्ष, घुनवारा निवासी काशी साहू उर्फ बच्चा साहू पिता हीरालाल साहू उम्र 27 वर्ष, झुकेही निवासी प्यारेलाल यादव पिता रामकेश यादव उम्र 46 वर्ष, थाना देहात अंतर्गत जरियारी निवासी इंद्रभान पटेल पिता स्व. मथुरा प्रसाद पटेल उम्र 42 वर्ष तथा थाना बरौंधा अंतर्गत भंवर निवासी अजय शर्मा पिता रामकरण शर्मा उम्र 32 वर्ष के विरूद्ध बाउण्ड ओव्हर कर संबंधित थाना प्रभारियों को प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने का आदेश जारी किया है। आदेश में सभी प्रतिबंधात्मक कार्यवाही के आरोपियों को एक वर्ष तक माह के प्रथम सोमवार को अपनी उपस्थिति थाने में दर्ज कराने के लिए कहा गया है।

स्वीप गतिविधियों के प्रयास - मतदाताओं को कर रहे जागरुक

17 नवंबर को मतदान करने के लिये किया जा रहा है प्रेरित

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिये सतना और मैहर जिले की सभी सात विधानसभा क्षेत्र के लिये मतदान 17 नवंबर को किया जाना है। मतदान प्रतिषत बड़ाने के उद्देष्य से एवं मतदाताओं को लोकतंत्र में मतदान के महत्व को बताने सभी विधानसभा क्षेत्रों में स्वीप की गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा के मार्गदर्षन में गुरुवार को जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों में स्वीप की गतिविधियां आयोजित की गईं। स्वीप गतिविधियों के क्रम में सतना शहर अंतर्गत शासकीय स्वशासी महाविद्यालय की राष्ट्रीय योजना इकाई के स्वयंसेवकों एवं विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में पैदल रैली निकालकर एवं डोर-टू-डोर संपर्क कर 17 नवंबर को होने वाले निर्वाचन में मतदान करने के लिये प्रेरित किया गया। जिले में जारी मतदाता जागरूकता अभियान के तहत एमएलबी स्कूल में रंगोली प्रतियोगिता और शपथ समारोह के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक किया गया। इसी प्रकार विधानसभा मैहर अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में ग्राम पंचायत के कर्मचारियों द्वारा स्व-सहायता समूह की महिलाओं, विद्यालयीन छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणजनों के सहयोग से गांव में मतदाता जागरुकता के लिये पैदल रैली निकाली गई। पैदल रैली में पोस्टर, मतदाता जागरुकता संदेश की लिखी हुई तख्तियों को प्रदर्शित करते हुये सभी मतदाताओं को मतदान करने के लिये प्रेरित किया गया। इसके साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से भी एनएसएस के स्वयंसेवकों एवं कैंपर्स एबेंसडर्स द्वारा मतदान करने की अपील की जा रही है। मतदाता जागरुकता अभियान की विविध गतिविधियों के तहत दीवाल लेखन, रंगोली एवं मेंहदी प्रतियोगिता, मानवश्रृंखला, पैदल रैली, साइकिल एवं बाइकरैली के आयोजन किये जा रहे हैं। इसके साथ ही सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर, कैंपस एबेंसडर, पार्टनर विभाग, गैर-सरकारी संस्थाओं के साथ-साथ विद्यालयीन और महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं का भी सहयोग लिया जा रहा है।

डाक मतपत्र से सुविधा केंद्रों में मतदान का सिलसिला जारी कलेक्टर ने किया सुविधा केंद्र का निरीक्षण

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी

सतना जिला मुख्यालय पर मतदान दलों के प्रशिक्षण के साथ ही डाक मतपत्र के माध्यम से सुविधा केंद्रों पर मतदान सिलसिला गुरुवार को भी जारी रहा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने गुरुवार को मतदान दलों द्वारा प्रशिक्षण स्थल पर ही बनाये गये सुविधा केंद्र शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक 1 सतना में किये जा रहे मतदान प्रक्रिया का जायजा लिया। इस मौके पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ परीक्षित झाड़े, कार्यपालन यंत्री अश्वनी जायसवाल भी साथ रहे। विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिये मतदान दल में संलग्न अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा प्रशिक्षण स्थल शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक 1 सतना, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक 2 सतना, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्या धवारी तथा शासकीय इंदिरा गांधी कन्या महाविद्यालय सतना में बनाये गये सुविधा केंद्र में 10 नवंबर तक डाक मतपत्र से मतदान करेंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया सी-विजिल, एमसीएमसी मतदान सामग्री प्रकोष्ठ का आकस्मिक निरीक्षण

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुराग वर्मा ने विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के लिए कलेक्ट्रेट भवन में स्थापित 24 घंटे कार्यरत एमसीएमसी प्रकोष्ठ, सी-विजिल, डीसीसी और शिकायत शाखा का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सी-विजिल, डीसीसी, शिकायत शाखा में प्राप्त प्रकरणों और उनके निराकरण के संबंध में जानकारी ली। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री वर्मा ने एमसीएमसी और मीडिया प्रकोष्ठ के निरीक्षण के दौरान प्रमाणन, प्रिंट और मीडिया में अभ्यर्थियों के खर्च का संधारण एवं संदिग्ध पेड न्यूज के संबंध में जानकारी ली। आकस्मिक निरीक्षण के दौरान शिफ्ट ड्यूटी में दो कर्मचारियों के निर्धारित सीट पर उपस्थित नहीं पाए जाने पर कलेक्टर ने संबंधित को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने व्यय अनुवीक्षण सेल और वीवीटी सेल का निरीक्षण किया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री वर्मा ने बाद में मतदान सामग्री प्रकोष्ठ का निरीक्षण कर सातों विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केंद्रवार, मतदान दलों को दी जाने वाली प्रपत्र और सामग्री के थैले तैयार करने के कार्य का अवलोकन किया। कलेक्टर ने आवश्यक प्रपत्रों के अलावा थैले में रखकर मतदान दलों को दी जाने वाली एक-एक सामग्री का समक्ष में चेक लिस्ट के अनुसार मिलान किया। नोडल अधिकारी मतदान सामग्री प्रकोष्ठ डिप्टी कलेक्टर गोविंद सोनी ने बताया कि विधानसभा चुनाव में निर्वाचन आयोग द्वारा पीठासीन अधिकारी और मतदान दलों को दी जाने वाली निर्धारित सामग्री मतदान केंद्रवार थैलों में लगाई जा रही है। जिनमें फार्मों का सेट, लीपैड में 34 प्रकार के प्रपत्र, लिफाफों के तीन सेट, अपरिनियत लिफाफे का चौथा पैकेट, पांचवा पैकेट, अन्य सामग्री रखने का छठवां पैकेट लिफाफा, वोटिंग कंपार्टमेंट, मतदाता पर्ची, 26 प्रकार की लेखन एवं सहायक सामग्री, कपड़े की थैली और पीतल की सील के साथ तीन प्रकार की रबर सील भी दी जाएगी।

मैहर की सामान्य प्रेक्षक ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना विधानसभा निर्वाचन-2023 के लिए विधानसभा क्षेत्र मैहर की सामान्य प्रेक्षक श्रीमती अंजना एम ने गुरुवार को मैहर के विभिन्न एवं सुदूर मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शासकीय विद्यालय झुकेही, सभागंज, पकरिया, लेदरी, घुनवारा, इटहरा सहित अन्य मतदान केंद्रों की पोलिंग बूथ में आयोग के मानकों के अनुसार की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मतदान केंद्रों में मतदाताओं के लिये सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाओं जैसे पेयजल, दिव्यांग मतदाताओं के लिये रैम्प, विद्युत व्यवस्था सहित बुनियादी व्यवस्थाएं देखी। मतदान केंद्रों का निरीक्षण करते हुये उन्होने अधिकारियों से कहा कि मतदान दिवस के पूर्व तक मतदान केंद्रों के लिये आवश्यक व्यवस्था पूर्ण कर लें। आवागमन के मार्ग क्लियर रहें। किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर इसकी जानकारी अपने अधिकारी को दें। मतदान दिवस के दिन किसी भी प्रकार की परेशानी न हो और भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराएं। इस दौरान लायजनिंग आत्मप्रकाश चतुर्वेदी एवं मतदान केंद्रों के बीएलओ उपस्थित रहे।

एन.एस.यू.आई कार्यकर्ताओ ने लगाये नगर निगम में कार्यरत पशु चिकित्सक पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप..

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर-नगर निगम का फर्जी पशु चिकित्सक भ्रष्टाचार में लिप्त÷ नगर निगम ग्वालियर में पशु चिकित्सक के पद पर कार्यरत है उपेन्द्र सिंह यादव, एन.एस.यू.आई कार्यकर्ताओ ने बताया है कि उपेन्द्र यादव गंभीर भ्रष्टाचार में लिप्त होकर बगैर पैसे लिये कोई कार्य नहीं करते हैं, उपेन्द्र सिंह यादव फर्जी तरीके से नगर निगम ग्वालियर में नियुक्त हुआ है। अधिकारियों को गुमराह कर राजनैतिक सहयोग के दम पर पिछले दरवाजे से नियम विरूद्ध नोकरी प्राप्त करने में सफल हो गया है। इस सम्बंध में यूथ कॉंग्रेस एवं एन.एस.यू.आई. कार्यकर्तो द्वारा कलेक्टर महोदय को कल ज्ञापना सोपा गया साथ ही पूरी घटना की जानकारी प्रस्तुत की गयी। वर्ष 2008 में मेयर इन काउंसिल से नियम विरूद्ध प्रस्ताव क्रमांक 894 दिनांक 21/07/2008 पारित कराकर तत्कालीन महापौर को गुमराह कर 6500/- रूपये मासिक फिक्स मानदेय पर 6 माह के लिये नियुक्त हो गया है। सेटप में पद नहीं होने तथा तत्समय वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ.एस.के.मित्तल प्रतिनियुक्ति पदस्थ थे। इसी प्रकार नियम विरूद्ध 6-6 माह कार्यकाल बढ़वाता रहा तथा आँखों में धूल झोंककर मेयर इन काउंसिल से नियम विरूद्ध प्रस्ताव क्रमांक 802 दिनांक 30/03/2013 पारित कराकर तत्समय मेयर-इन- काउंसिल के सदस्य पार्षदगणों द्वारा आपत्ति भी प्रस्ताव में दर्ज करायी गयी थी कि शासन स्वीकृति 2000 के क्रम में माननीय उच्च न्यायालय आदेश दिनांक 07/01/2004 के बाद वर्तमान में यानि वर्ष 2013 में कार्यवाही करने का क्या आधार है। वर्तमान पशु चिकित्सक के पद पर डॉ. एस. के. मित्तल प्रतिनियुक्ति पर दिनांक 06/07/2000 से पदस्थ हैं जो प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सक हैं। यह गंभीर घोटाला भ्रष्टाचार नियमों का उल्लंघन तथा फर्जी नियुक्ति का यह विवरण है कि जब वरिष्ठ पशु चिकित्सक पदस्थ थे तब अगस्त 2008 में इन्हें मासिक मानदेय 6500/- रूपये पर क्यों रखा गया फर्जी तरीके से पशु चिकित्सक के पद पर नगर

पूरी कहानी का शारांश यह है कि उपेन्द्र सिंह यादव निगम में पदस्थ होकर निगम के 7-8 प्रभार लेने में सफल हो गया है। निगम के संचालित प्राणी उद्यान में अभी एक माह में दो शावकों की मृत्यु हो चुकी है। पिछले एक वर्ष से कई वन्य जीवों की मृत्यु हो रही है। जिसकी सीधी जवाबदारी प्राणी उद्यान प्रभारी उपेन्द्र सिंह यादव की है। केन्द्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा वन्य जीव संरक्षण हेतु लगातार बेहतर प्रबन्ध किये जा रहे हैं। जिसकी धज्जियां खुलेआम उपेन्द्र सिंह यादव उड़ा रहे हैं। चिड़ियाघर प्रबन्ध हेतु पर्याप्त बजट का प्रावधान रहता है किन्तु उसका दुरूपयोग कर लूटा जा रहा है। कुत्ते की नसबन्दी हेतु संस्था, क्र ष्ट (एनीमल वर्थ कन्ट्रोल) के प्रभारी हैं। जिसमें कागजों में नसबन्दी की खानापूर्ति कर खुलेआम भ्रष्टाचार कर अपनी जेब भरने में लगे हैं। इनके पास अपना लाल टिपारा गोशाला का भी प्रभार है। गोशाला में आम नागरिक सहयोग करते हैं। यह उस सहयोग को भूलकर गंभीर भ्रष्टाचार कर निगम की राशि हड़पने में लगे हैं। इनके पास जन्म मृत्यु तथा शादी सर्टिफिकेट प्रमाण पत्र बनाने का भी प्रभार है। जिसमें शादी प्रमाण पत्र बनवाने वालों से 5 से 20 हजार रूपये की मांग की जाती है। उपेन्द्र सिंह यादव के पास पैसों के बल पर तथा राजनैतिक रसूख के कारण 7-8 प्रभार हैं जैसे चिड़ियाघर प्रभारी, स्लाटर हाउस प्रभारी, एनीमल बर्थ प्रभारी तथा गोशाला प्रभारी एवं जन्म मृत्यु प्रभारी, शादी सर्टिफिकेट प्रमाण पत्र प्रभारी एवं अन्य कई प्रभार लेकर निगम में खुला भ्रष्टाचार किया जा रहा है। इनकी शिकायत लोकायुक्त, आर्थिक अपराध, मुख्यमंत्री, मंत्री, शासन, कलेक्टर, कमिश्नर को जाँच हेतु भेजी गयी हैं। नागरिकों ने इनके विरूद्ध कार्यवाही की मांग की है। यूथ कॉंग्रेस एवं एन. एस.यू.आई. के दल में उपस्थित सचिन द्विवेदी (एन.एस.यू.आई. राष्ट्रीय संयोजक), राघव कौशल (यूथ कॉंग्रेस प्रदेश सचिव, ग्वालियर), पवन शर्मा (एन.एस.यू.आई. जिलाध्यक्ष ग्वालियर), वंश महेश्वरी एन.एस.यू.आई. ग्वालियर सभी लोग उपस्थित..

आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित दर्जन भर कार्यकर्ताओं, कॉंग्रेस महामंत्री ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

विभिन्न वर्गों, राजनीतिक दलों के नागरिक ले रहे भाजपा की सदस्यता

पुष्पांजली टुडे

दमोह। विधानसभा चुनाव के पहले लगातार विभिन्न संगठनों, राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, पूर्व शासकीय कर्मचारियों द्वारा भारतीय जनता पार्टी के कार्यो से प्रभावित होकर सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के कामों से प्रभावित होकर

आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष अनुभव गौतम पिंकू, अश्विनी चौबे (जिला उपाध्यक्ष आप), मु.हनीफ कुरैशी जिला कांग्रेस महामंत्री छप्पन सिंह लोधी पूर्व सरपंच शीशपुर पटी, शैलेन्द्र दयाल, नारायण जाटव, अजय अहिरवाल, योगेश चौरसिया, मदन विश्वकर्मा के साथ अन्य साथियों ने आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

जबेरा प्रत्याशी नें किया रोड शो

पुष्पांजली टुडे

दमोह। चुनावी बिगुल बज चुका है सभी प्रत्याशी अपने अपने क्षेत्र में चुनावीं सभाएं करके जनता को अपनी योजनाओं का बता है इसी क्रम में नोहटा के बाजार में दिखा चुनावी रंग जबेरा से वर्तमान भाजपा प्रत्याशी धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने घांघरी तिराहे से रोड़ सो करते हुए किया जनता का आशीवांद लिया।इस दौरान बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एवं समर्थकों की उपस्थिति रही।

चुनाव में भाजपा ने बनाया गुंडागर्दी ओर भय मुक्त क्षेत्र का मुद्दा, लोगो को याद दिला रहे 2013 के पहले का माहौल, तो वही कांग्रेस के पास अभी तक नही है भाजपा की काट,चुनाव प्रचार प्रसार अपने चरम पर

मुंगावली। विधानसभा चुनाव अब अपने पूरे सबाब पर आ गया है और दोनों ही प्रमुख दल भाजपा और कांग्रेस इसको भुनाने में लग गए है इस बार चुनाव में दोनों ही दल सोशल मीडिया के माध्यम से अपना हथियार बना रही है और दोनों ही पार्टी के कार्यकर्ता अपनी अपनी पार्टी के लिए जीतने के लिए इसका उपयोग किया जा रहा है साथ ही सोशल मीडिया पर दोनों ही दल एक दूसरे पर आरोप लगा रहे है जहाँ भाजपा कह रही है कि हमे क्षेत्र में पिछले छः साल वाली शांति चाहिए तो भाजपा को लाइए वही कांग्रेस परिवर्तन की बात कह रही है इसके अलावा भी कई और अन्य तरीके से दोनों ही दल सोशल मीडिया का उपयोग कर रहे है और इस समय सोशल मीडिया पार्टियों का प्रमुख हथियार बनता दिखाई दे रहा है जिसमे अपनी बात घर घर तक पहुचाने का कार्य किया जा रहा है विधानसभा चुनाव की धूम पूरी तरह से मची हुई है वही यदि बात की जाए भाजपा की तो भाजपा द्वारा फिलहाल मध्यप्रदेश के मन मे मोदी को ही अपना हथियार बनाये हुए है वही नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भाजपा की जन हितैषी योजनाए का प्रचार प्रसार किया जा रहा है और लोगो को अपनी पार्टी की ओर आकर्षित करने का प्रयास किया जा रहा है वही

भाजपा राष्ट्र का मुद्दा भी इस चुनाव में बनाये हुए है और राष्ट्र हित में मतदान की बात कह रही है गाँव गाँव जा रहे भाजपा प्रत्याशी द्वारा अपने पांच साल में किये गए विकास को गिना रहे है और लोगो को क्षेत्र में शांति के नाम पर वोट मांग रहे है ऐसे में कांग्रेस अभी तक भाजपा द्वारा किये जा रहे प्रचार प्रसार की काट नही खोज पाई है और वह केवल भरष्टाचार को ही मुद्दा बनाये हुए है फिलहाल जो भी हो मगर जैसे मतदान के दिन नजदीक आ रहे है वैसे वैसे चुनाव अपने पूरे सबाब पर च?ता जा रहा है अब देखना यह होगा कि इस ल?ई में कौन जीतता ओर हारता है।

चुनाव में शांति का मुख्य मुद्दा बनाया भाजपा ने -इस विधानसभा चुनाव में चाचा ओर भतीजे के बीच टक्कर चल रही है और दोनों ही अपनी जीत का दावा कर रहे है ऐसे में इस विधानसभा चुनाव में भाजपा द्वारा क्षेत्र में शांति को लेकर मुख्य मुद्दा बनाया है कि क्षेत्र में शांति चाहिए तो भाजपा को जिताए यह प्रचार भाजपा द्वारा पूरी विधानसभा में किया जा रहा है भाजपा द्वारा चुनाव में सीधे तौर पर बर्ष 2013 के पहले स्थिति को लेकर जनता के बीच जा रही है और जनता से कह रही है कि 2013 का माहौल आप सभी ने देखा है और यह दोबारा बापिस न आये इसलिए इसका आप सभी को ध्यान रखना है वही अब जब भाजपा ने क्षेत्र में गुंडागर्दी ओर क्षेत्र के माहौल को अपना हथियार बनाया है अब देखना यह होगा कि कांग्रेस भाजपा द्वारा किये जा रहे इसकी क्या काट निकलती है जो अभी तक कांग्रेस निकालती दिखाई नही दे रही है।

दीवार लेखन से चुनाव प्रचार, दीवार लेखन बनेगा प्रशासन के लिए परेशानी

मुंगावली। विधानसभा चुनाव में पार्टीयों सहित निर्दलीय प्रत्याशीयों द्वारा अपना प्रचार प्रसार ब? जोर जोश से किया जा रहा है जिसमे फेलेक्स, झंडा, वेनर सहित अन्य कई माध्यमों का अपने प्रचार में इस्तेमाल किया जा रहा है ऐसे में एक प्रचार दीवार लेखन से भी किया जाता है मगर अब यह दीवार लेखन प्रशासन के लिए परेशानी का कारण बनेगा क्योकि जैसे ही चुनाव प्रचार थमेगा वैसे ही प्रशासन द्वारा सभी चुनाव प्रचार साम्रगी हटाई जाती है जिससे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन न हो ऐसे में कई ग्रामो में कांग्रेस और बसपा द्वारा दीवार लेखन कराया गया है जोकि आने बाले समय मे परेशानी बनेगा क्योकि शहरी क्षेत्र में यह चीजे आसानी से नजर में आ जाती है मगर ग्रामीण क्षेत्र में दीवार लेखन लिखा

रहता है वही अब प्रशासन को चाहिए कि समय रहते जहाँ जहाँ दीवार लेखन किया गया है उसको समय रहते पुतवा दिया जाए। वही इस मामले एसडीएम वरुण अवस्थी का कहना है कि कुछ राजनीतिक दलों ने पूर्व में लिखवा दिया था जानकारी नही थी मकान मालिक से अनुमति लेना प?ती है लेकिन अब मना कर दिया गया है किसी भी तरह का दीवार लेखन क्षेत्र में न किया जाए। उल्लेखनीय रहे की मतदान के 48 घंटे पहले पूरी तरह से चुनाव प्रचार प्रसार धम जाएगा इस बीच केवल प्रत्याशी घर घर जाकर जन सम्पर्क कर सकता है अब देखना यह होगा कि प्रशासन द्वारा इन दीवार लेखन को कब तक हटवाता है या फिर आने बाले समय मे यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करते दिखाई देंगे।

फोटो मतदाता परिचय के अलावा 12 तरह के अन्य दस्तावेज दिखाकर किया जा सकता है मतदान

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

शिवपुरी, नवंबर 2023 को विधानसभा के लिए होने वाले मतदान में भाग लेने के लिए मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदाता परिचय पत्र के अलावा 12 वैकल्पिक फोटो युक्त दस्तावेज दिखाकर मतदान कर सकेंगे। आयोग द्वारा निर्धारित 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेजों में आधार कार्ड, मनरेगा जाब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र राज्य सरकार,पीएसयू सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक, डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों,विधायकों,एमएलसी को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्र और भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी शामिल है।

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में सभी मतदाताओं को फोटो पहचान पत्र जारी किया जा रहा है। जो मतदाता वोटर आईडी कार्ड प्रस्तुत करने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेजों में से कोई एक दिखाना होगा।

दुष्कर्म से आहत किशोरी ने दी थी जान, नौ माह बाद दर्ज हुई

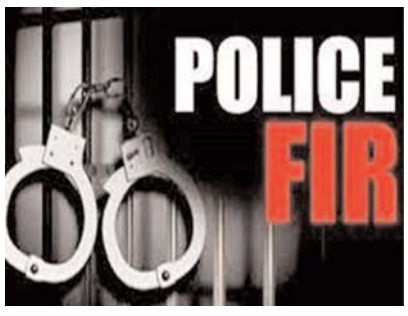

ग्वालियर। महाराजपुरा इलाके में नौ माह पहले किशोरी की आत्महत्या के मामले में दिल दहला देने वाला खुलासा हुआ है। किशोरी के साथ दुष्कर्म हुआ था। दुष्कर्म की घटना से आहत होकर उसने अपनी जान दी थी। अभी इस मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपित के खिलाफ दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट की एफआइआर दर्ज की है। आरोपित अभी पकड़ा नहीं जा सका है।

दुष्कर्म से आहत कर ली आत्महत्या- महाराजपुरा थाना प्रभारी हितेंद्र सिंह राठौर ने बताया कि महाराजपुरा स्थित ग्राम जिरैना में रहने वाली किशोरी ने 26 फरवरी को फांसी लगाकर आत्महत्या की थी। उसके शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद मर्ग कायम किया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट जब आई तो सामने आया कि उसके साथ दुष्कर्म भी हुआ था। पुलिस ने इस मामले की जांच की। जांच में सामने आया कि किशोरी अपने घर में अकेली थी। तभी उसके साथ दुष्कर्म हुआ था। युवक उसके घर में जबरन घुस आया था और उसने उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद उसने आहत होकर आत्महत्या कर ली थी।

अशोक नगर के विधायक जजपाल जज्जी के खिलाफ चुनाव याचिका खारिज, याची पर 50 हजार का हर्जाना

ग्वालियर । अशोक नगर के विधायक जजपाल जज्जी के खिलाफ चल रही चुनाव याचिका के मामले में हाईकोर्ट ने फैसला सुना दिया है। हाईकोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए याची लड्डूराम कोरी पर 50 हजार रुपये का हर्जाना लगाया है।मामले में विधायक की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता एसएस गौतम ने बताया कि याचिका में विधायक को अनुसूचित जाति का नहीं होना बताया गया और जज्जी के द्वारा नामांकन भरते समय लोकायुक्त की एफआइआर को छिपाने की बात कही गई।इस पर सुनवाई के दौरान साबित हुआ कि उनका जाति प्रमाण-पत्र सही है। वहीं, एफआइआर के बारे में न तो विधायक को नामांकन दाखिल करने की तारीख तक कोई नोटिस प्राप्त हुआ, न न्यायालय ने संज्ञान लिया था।हाईकोर्ट ने मामले में दोनों पक्ष सुनकर चुनाव याचिका को खारिज कर दिया। बता दें की इससे पहले जज्जी के जाति प्रमाण-पत्र के खिलाफ लगी रिट अपील में भी फैसला आया,

ग्वालियर की विंडसर हिल्स सोसायटी के निवासी करेंगे विधानसभा चुनावों का बहिष्कार

ग्वालियर। ग्वालियर के सिरोल रोड पर स्थित विंडसर हिल्स सोसायटी के लगभग एक सौ से अधिक निवासी अपनी कई प्रमुख मांगों को लेकर आगामी विधानसभा चुनावों का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। उक्त समस्याओं को लेकर जहां विंडसर हिल्स सोसायटी के निवासियों की गत पांच नवंबर को आयोजित एक बैठक में सर्वसम्मति से फैसला लिया गया। विंडसर हिल्स निवासियों की जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि विंडसर हिल्स सोसायटी जो कि सिरोल रोड पर स्थित है के निवासियों ने सर्व सम्मति से फैसला लिया कि सोसायटी के निवासी गण 17 नवंबर को होने जा रहे मतदान में भाग नहीं लेंगे। कलेक्टर के नाम लिखे और जारी एक बयान में कहा गया है कि ऐसोटेक इन्फ्रास्टक्चर कंपनी नोएडा उत्तर प्रदेश विंडसर हिल्स का मैंटेनेंस करती है जबकि उसके द्वारा कोई भी मैंटेनेंस नहीं किया जा रहा है। विंडसर हिल्स की अंदर की रोडें बहुत जर्जर स्थिति में हैं और वहीं पर निकलने वाले बच्चे गिर पडते हैं। उसकी कई लिफ्ट भी बंद है कई की हालत खराब है। विंडसर हिल्स के बाहर झुग्गी झोपडी वालों ने डेरा जमा लिया है इससे निकलने वाले लोगों खासकर महिलाओं के साथ शाम के समय असमाजिक तत्वों के द्वारा अभद्रता की जाती है। इसे निगम द्वारा तत्काल रूप से हटाया जाये। एप्रोच रोड पर एलईडी लाइटों की व्यवस्था की जाये ।अमृत योजना का पानी विंडसर हिल्स को दिया जाये। वहीं विंडसर हिल्स में लगभग सौ से अधिक छात्र छात्राएं किराए से रहते हैं रात्रि में वह शोर करते हैं पुलिस के पास उनका कोई रिकार्ड नहीं है। इस पर रोक लगाई जाये ।इन सभी समस्याओं को लेकर विंडसर हिल्स के निवासी आगामी चुनावों का बहिष्कार करेंगे।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478